भोपाल, बुधवार
02 अप्रैल 2025

दैनिक मध्य स्वर्णिम

यह क्यूआर कोड स्कैन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर...
Scan QR Code to Read ePaper
www.madhyaswarnim.com

सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...
वर्ष - 12 अंक-216 पृष्ठ-08 मूल्य-₹02

आजीविका मिशन में अवैध नियुक्ति, सुषमा रानी की MBA डिग्री-अनुभव प्रमाण पत्र फर्जी

... और सही निकली आईएएस नेहा मारव्या की जांच रिपोर्ट

भोपाल। जिस जांच प्रतिवेदन के बाद एक काबिल आईएएस अधिकारी को वर्षों तक लूप लाइन में रखा गया,जिसकी वजह से वो डिप्रेशन में आ गई वही जांच प्रतिवेदन प्राथमिकी में सही सिद्ध हो रही है। मध्य स्वर्णिम ने अपने 6 मार्च के अंक में बताया था कि किस प्रकार 5 वर्षों से इस जांच को जान बूझकर भटकाया जा रहा है। सुषमा रानी शुक्ला को बचाने के लिए हर स्तर पर कोशिशें की गई,लेकिन मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन ने जांच एजेंसियों को फ्री हैंड देकर मामले को अंजाम तक पहुँचाया। दरअसल राज्य आजीविका मिशन में भर्ती के लिए बिना अनुमोदित मानव संसाधन मार्गदर्शिका के आधार पर संविदा आधार पर पद भरे गए। इन नियुक्तियों में निर्धारित योग्यता, अनुभव और चयन प्रक्रिया के लिए मापदंड मिशन कार्यालय स्तर पर भी बनाए गए। जबकि मापदंडों को बनाने के बाद शासन से अनुमोदित करना आवश्यक होता है। इसमें कई अयोग्य और अर्हता पूरी नहीं करने वाले अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति दी गई। जांच में सामने आया कि तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी ललित मोहन बेलवाल ने नियमों को

दरकिनार करते हुए एक गैर-अनुमोदित "HR Manual" का उपयोग किया।पूर्व सीईओ बेलवाल ने सुषमा रानी शुक्ला को नियमों का उल्लंघन कर राज्य परियोजना प्रबंधक (सामुदायिक संस्थागत विकास) के पद पर नियुक्त किया, जबकि उनके पास इस पद के लिए आवश्यक 15 वर्षों का प्रबंधकीय अनुभव नहीं था। मात्र चार महीने के भीतर उनका मानदेय अवैध रूप से 70,000 प्रति माह कर दिया गया, जबकि अन्य कर्मचारियों को यह लाभ नहीं मिला। जांच में यह भी सामने आया कि बेलवाल ने मिशन की मानव संसाधन नीति को एचआर मैन्युअल के रूप में प्रस्तुत किया, जबकि मैन्युअल राज्य आजीविका फोरम द्वारा अनुमोदन प्राप्त नहीं था। मार्च 2015 में राज्य आजीविका फोरम की कार्यकारिणी समिति की बैठक में केवल मानव संसाधन नीति को मंजूरी दी गई थी, एचआर मैन्यूअल का कोई उल्लेख नहीं था। इसके बावजूद नस्ती में नोटशीट की पृष्ठ क्रमांक 5 में कुटरचित रूप से एचआर मैन्यूअल जोड़ा गया। गलत नियुक्तियों के साथ ही संविधा कर्मचारियों के मानदेय में अवैध तरीके से 40 प्रतिशत की वृद्धि की गई। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि सुषमा रानी शुक्ला ने अपने चयन के लिए जाली प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए। उन्होंने

खबर का असर

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (NIRD), हैदराबाद का एक फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न किया था, जिसमें उनकी उत्कृष्टता का वर्णन था। जांच में यह प्रमाण पत्र कूटरचित पाया गया। इसके अलावा, उनकी एमबीए की डिग्री भी फर्जी पाई गई। सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी से प्राप्त उनकी डिग्री में कई विसंगतियां मिली। विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार, तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर दोनों की मार्कशीट पर एक ही तारीख 25 अक्टूबर 2010 अंकित थी। जबकि यूनिवर्सिटी ने जानकारी दी कि तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा जनवरी/ फरवरी और चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा जुलाई 2010 में आयोजित हुई थी। ईओडब्ल्यू की जांच में यह भी सामने आया कि शुक्ला के चयन के लिए सायकोमेट्रिक परीक्षा में भी कई अनियमिताएं मिली है। मूल्यांकन पत्र पर मूल्यांकनकर्ता के हस्ताक्षर नहीं थी। अभ्यर्थियों को जो अंक दिए गए, उसमें शुक्ला को मनमाने तरीके से सर्वोच्च अंक दिए गए। इसके अलावा, साक्षात्कार पैनल का गठन भी पक्षपातपूर्ण ढंग से बेलवाल ने सवयं किया, जिसमें बाहरी विशेषज्ञों का चयन मनमाने तरीके से किया गया।

अन्य अवैध नियुक्तियों की भी हो रही जांच

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने ललित मोहन बेलवाल, विकास अवस्थी और सुषमा रानी शुक्ला के विरुद्ध धोखाधड़ी, कूटरचना और भ्रष्टाचार के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 468, 471, 120-बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 (सी) के तहत एफआईआर दर्ज की है। श्ह्ङ्क ने अपनी जांच जारी रखते हुए संकेत दिया है कि आगे और भी वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है। इस घोटाले में शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

इन्होने कहा...

मैने भी सुना था देर है अंधेर नहीं है ।मुख्यमंत्री जी और मुख्य सचिव महोदय ने निष्पक्षता दिखाते हुए जिस प्रकार इस मामले में संवेदनशीलता दिखाई इसी वजह से इतनी बड़ी लड़ाई में न्याय मिल पाया। अन्यथा तो मैं उम्मीद ही छोड़ चुका था। उम्मीद है मुख्यमंत्री मोहन यादव जी, ललित मोहन बेलवाल के संपूर्ण कार्यकाल की जांच कराएंगे ।

भूपेंद्र प्रजापति, मूल शिकायतकर्ता

मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं दिल से एक योगी हूं और राजनीति मेरा पूर्णकालिक व्यवसाय नहीं है। मैं मुख्यमंत्री पद पर उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा करने के लिए हूं और मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं आया हूं। मेरी पार्टी भाजपा ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसे मैं निभा रहा हूं।एक साक्षात्कार में उन्होंने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर खंडन किया। उन्होंने कहा कि मैं कब तक राजनीति में रहूंगा इसकी समय सीमा है। मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं हूं। बता दें कि इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं काफी तेज हैं और योगी को उनके समर्थकों के द्वारा प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। ये चर्चाएं प्रधानमंत्री मोदी के 30 मार्च को संघ मुख्यालय जाने के बाद और तेज हो गई हैं।

@खबर संक्षेप

मंत्री कपिल मिश्रा की बढ़ी मुश्किलें

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री और भाजपा नेता को राउज एवेंन्यू कोर्ट से मंगलवार को झटका लगा है। कोर्ट ने मंत्री कपिल मिश्रा और अन्य के खिलाफ 2020 के दिल्ली दंगों में उनकी कथित विभिन्न भूमिकाओं की जांच के लिए सुनवाई का आदेश दिया। साथ ही कोर्ट ने कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए आवेदन स्वीकार कर लिया है।अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने इसे प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध पाया, जिसमें उन्होंने जांच के आदेश दिए हैं। न्यायाधीश ने कहा कि यह साफ है कि दंगों के दौरान कपिल इलाके में थे। इसमें आगे जांच की जरूरत है।न्यायाधीश यमुना विहार निवासी मोहम्मद इलियास द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी, जिसका दिल्ली पुलिस ने विरोध किया और दावा किया कि दंगों में मिश्रा की कोई भूमिका नहीं थी।

2 हजार वाले नोट अभी भी कर सकते हैं जमा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक 2000 रुपये के 98.21 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं और केवल 6,366 करोड़ रुपये मूल्य के ऐसे नोट अब भी जनता के पास हैं। 19 मई, 2023 को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी।आरबीआई ने बताया कि 19 मई 2023 को कारोबार बंद होने के दौरान चलन में रहे 2000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था। 31 मार्च 2025 को कारोबार बंद होने के बाद बाजार में करीब 6,366 करोड़ रुपये के नोट शेष बच गए हैं।

प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का रास्ता साफ

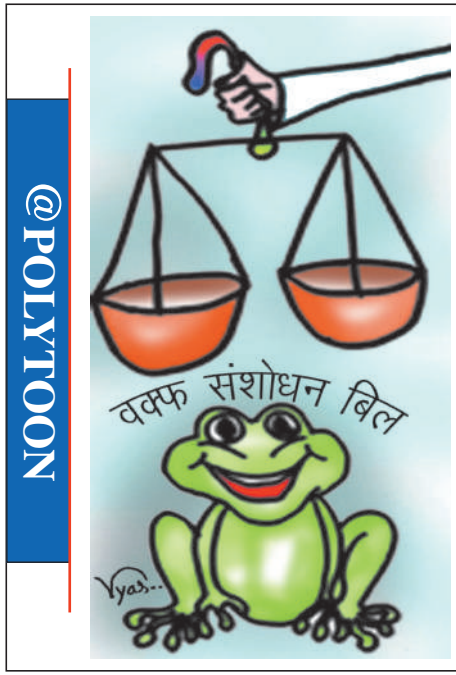

यात्री परिवहन सेवा प्रारम्भ करने 101 करोड 20 लाख रुपये की अशंपूजी स्वीकृत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश में नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के साधारण और ग्रामीण मार्गों में संगठित, सुविधाजनक एवं सुरक्षित यात्री परिवहन बस सेवायें उपलब्ध कराने के लिए 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' प्रारम्भ करने की स्वीकृति दी गई।यह योजना पीपीपी मॉडल पर आधारित होगी, जिससे बस परिवहन संगठित और पारदर्शी बनेगा।

सात संभागीय कंपनियां बनाई जाएंगी, आईटी प्लेटफॉर्म से निगरानी होगी, और ई-बस व चार्जिंग स्टेशन विकसित किए जाएंगे। प्रदेश में ग्रामीण एवं साधारण मार्गों का ट्रैफिक एवं मार्ग सर्व तथा बसों की फ्रीक्वेन्सी निर्धारित करते हुये एक व्यवस्थित प्लानिंग अनुसार यात्री बसों को चलाया जायेगा। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य में सुगम सुरक्षित एवं विनियमित यात्री परिवहन सुविधा, निजी क्षेत्र के माध्यम से उपलब्ध कराये जाने का निर्णय लिया गया है।यात्री परिवहन सेवा की प्रारम्भ करने के लिए 101 करोड 20 लाख रुपये की अशंपूजी के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई।

इसके लिए राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी के गठन की स्वीकृति भी दी गई है। वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन हेतु कंपनी एक्ट के तहत SPV गठित हैं, जिसमें से 16 कार्यरत हैं। उक्त समस्त कंपनियों को 7 संभागीय कंपनियों के रूप में मर्ज किया जावेगा। उक्त सात कंपनियों के एकीकृत नियंत्रण के लिए राज्य स्तर पर कंपनीज एक्ट 2013 के तहत एक होल्डिंग कंपनी का गठन जायेगा। साथ ही त्रि-स्तरीय संरचना के तहत दायित्व निर्वहन और सात क्षेत्रीय सहायक कंपनियों में राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी के 51 प्रतिशत शेयर बहुसंख्यक आधार पर निवेश करने एवं सात सहायक कंपनियों के बोर्ड और उसके आर्टीकल ऑफ एसोसिएशन में आवश्यक संशोधन की स्वीकृति, रीवा एवं ग्वालियर के लिए वर्तमान प्रचलित कंपनी को बंद करते हुए नवीन क्षेत्रीय कंपनी गठित करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

इन क्षेत्रीय सहायक कंपनियों का गठन, संबंधित संभागीय मुख्यालयों में स्थित सिटी बस ट्रांसपोर्ट की वर्तमान कंपनी में संशोधन कर, निर्मित करने की स्वीकृति दी गई। जिला स्तरीय यात्री परिवहन समिति के गठन की स्वीकृति भी प्रदान की गई।

सीएम राइज स्कूल कहलाएंगे अब सांदीपनि विद्यालय

प्रदेश के समस्त निर्मित और निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूलों का नाम अब सांदीपनि विद्यालय होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल की अरेरा कॉलोनी स्थित शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ओल्ड कैम्पियन) में आयोजित 'स्कूल चलें हम' राज्य स्तरीय प्रवेश उत्सव कार्यक्रम-2025 में इस बात की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं शासकीय विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर यहां तक पहुंचे हैं। अनेक महान लोगों, जिनमें डॉ. एपीजे कलाम भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी लगन और परिश्रम से मिसाइल मैन और भारत के राष्ट्रपति बने। इसी तरह पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने भी अभाव और निर्धनता में रहकर कष्ट सहते हुए शिक्षा ग्रहण की, लेकिन अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का भी उल्लेख किया जिन्होंने कठिन बाल्य काल और चाय की दुकान पर कार्य करते हुए आगे बढ़ते हुए परिश्रम से सम्मान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान भोपाल में रात्रि विश्राम भी किया।

पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट में हुई श्रमिकों की मौत

अधिकांश मृतक एमपी से ,सीएम ने जताया दुख

बनासकांठा। गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग हादसे में 20 श्रमिकों की मौत हो गई है। हादसे में मृतक श्रमिकों में सभी मध्य प्रदेश के मजदूर बताए जा रहे है। इसमें हरदा जिले के हंडिया के रहने वाले आठ और छह देवास के मजूदरों की पहचान हुई है। मृतकों में बाकी छह लोगों की अभी पहचान होना बाकी है। हरदा जिला प्रशासन ने एडीएम के नेतृत्व में एक टीम गठित की है।

इसके लिए प्रशासन और पुलिस की एक टीम को हरदा से बनासकांठा रवाना कर दिया गया है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से मध्यप्रदेश निवासी श्रमिकों के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का गुजरात सरकार से घटना के संबंध में लगातार संपर्क बना हुआ है। श्रमिकों की सहायता और परिवारों की मदद के लिए सभी आवश्यक प्रयास होंगे। बनासकांठा जिले के डीसा औद्योगिक क्षेत्र में पटाखा बनाने की फैक्ट्री में मंगलवार सुबह अचानक आग लग गई। यहां सिलसिलेवार विस्फोट होने से फैक्ट्री के कुछ हिस्से ढह जाने से अंदर कुछ श्रमिक फंस गए। इस हादसे में 20 मजदूरो की मौत की जानकारी है। वहीं, जानकारी के अनुसार हादसे वाली जगह सिर्फ भंडारण की अनुमति थी, लेकिन उसकी आड़ में गोदाम की जगह पटाखा फैक्ट्री चलाई जा रही थी।

@POLYTOON

देश में कानून का शासन है: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार और प्रयागराज विकास प्राधिकरण की खिंचाई की। कोर्ट ने शहर में मकान ढहाने को अमानवीय और अवैध बताया। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अमानवीय तरीके से की गई। कोर्ट ने यह भी कहा कि देश में कानून का शासन है और नागरिकों के आवासीय ढांचों को इस तरह से नहीं ढहाया जा सकता। पीठ ने कहा, 'इसने हमारी अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। आश्रय का अधिकार, कानून की उचित प्रक्रिया जैसी कोई चीज होती है।' इसके बाद शीर्ष अदालत ने प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह छह हफ्ते के अंदर मकान मालिकों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा दे। इससे पहले शीर्ष कोर्ट ने प्रयागराज में उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की खिंचाई की थी और कहा था कि इससे चौंकाने वाला और गलत संकेत गया है।याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा था कि राज्य सरकार ने गलत तरीके से मकानों को ध्वस्त कर दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि यह जमीन गैंगस्टर-राजनेता अतीक अहमद की है। वह 2023 में मारा गया था।

मंत्री बागरी के जाति प्रमाण-पत्र को लेकर शिकायत

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार की राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर एमपी कांग्रेस के अनुसूचित जनजाति विभाग ने मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि मंत्री बागरी का जाति प्रमाण पत्र फर्जी तरीके से बनाया गया है। जांच कराने की मांग को लेकर मंगलवार को भोपाल में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल के साथ अनुसूचित जाति कल्याण विकास विभाग छानबीन समिति के आयुक्त के नाम शिकायती पत्र विभाग के सहायक आयुक्त को दिया। और जाति प्रमाण पत्र छानबीन समिति के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई।आयुक्त की गई शिकायत पत्र में कहा गया है कि भाजपा सरकार में मंत्री प्रतिमा बागरी का अनुसूचित जाति वर्ग का जाति प्रमाण पत्र अवैध रूप से जारी किया गया है, वे अनुसूचित जाति वर्ग की न होकर ठाकुर,राजपूत समाज से आती हैं।

भोजपुर से टाइगर्स को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा

ग्रामवासियों की माँग पर टाइगर्स को किया गया रेस्क्यू

भोपाल। मुख्य वन संरक्षक भोपाल वृत्त के मार्गदर्शन एवं वन मण्डल अधिकारी ओबेदुल्लागंज के नेतृत्व में परिक्षेत्र चिकलोद के स्टॉफ द्वारा ग्रामवासियों की माँग पर टाइगर्स को पकड़ने के लिये पिंजरे लगाये गये। वन विहार भोपाल एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम, पशु चिकित्सकों एवं स्थानीय प्रशासन और पुलिस के सहयोग से दोनों टाइगर्स का सफल रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के उपरांत दोनों टाइगर्स का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित ढंग से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा गया।भोजपुर से लगे हुए वन क्षेत्र बीट भोजपुर में भोजपुर-ईमलिया मार्ग पर दो टाइगर्स का लगातार विचरण विगत एक माह से बना हुआ था।

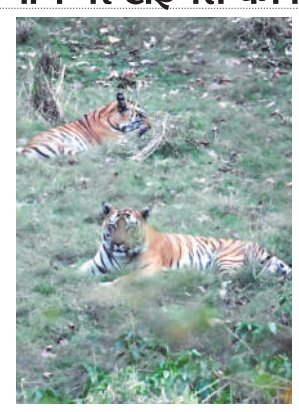

इन टाइगर्स द्वारा 5 मवेशियों का शिकार किया गया था। टाइगर के विचरण के कारण ग्रामीण असुरक्षित महसूस कर रहे थे। टाइगर्स का खेतों में विचरण होने से ग्रामीण फसलें नहीं काट पा रहे थे। खेतों एवं वन क्षेत्र के मध्य से जो रास्ता निकलता है, वह ग्रामीणों का मुख्य मार्ग है, जिससे ग्रामीणों का भोजपुर, मण्डीदीप और बंगरसिया आना-जाना लगा रहता है। कुछ ग्रामीण मण्डीदीप फैक्ट्रियों में नौकरी करने भी जाते हैं।

लोकसभा में आज पेश होगा वक्फ संशोधन बिल

बीजेपी ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में देश की मोदी सरकार वक्फ संशोधन बिल लाने की तैयारी पूरी कर चुकी है। यह बिल कल 2 अप्रैल को लोकसभा में पेश किया जाएगा। आज मंगलवार को संसद की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में वक्प बिल को संसद में पेश करने को लेकर हरी झंडी मिल गई है। वक्फ बिल के पेश होने के चलते ही, सत्ताधारी एनडीए गठबंधन का नेतृत्व कर रही बीजेपी ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। सांसदों से सदन में पूरे वक्त मौजूद रहने को कहा गया है।

इसके अलावा बीजेपी ने अपने सहयोगी दलों से भी उनके सभी सांसदों को संसद में मौजूद रहने के लिए व्हिप जारी करने का अनुरोध किया है।दरअसल, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि कल प्रश्न कल के तुरंत बाद लोकसभा में वक्फ बिल को विचार एवं पारित किए जाने के लिए संसद में रखा जाएगा। उन्होंने बताया है कि इस बिल के लिए 8 घंटे की चर्चा तय की गई है। दूसरी ओर विपक्ष की मांग है कि इस बिल को लेकर कम से कम 12 घंटे की चर्चा हो

लेकिन इसको लेकर संसदीय कार्यमंत्री का कहना है कि 4 अप्रैल को संसद का सत्र खत्म हो जाएगा और इसके पहले इस बिल को राज्यसभा में भी ले जाकर पारित करना है।केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने कहा के वक्फ बिल का मुद्दा लोकसभा के लिए जितना अहम है. उतनी ही अहमियत उसकी राज्यसभा के लिए भी है। उन्होंने कहा कि अगर दो दिन तक लोकसभा में चर्चा होगी तो राज्यसभा के लिए समय नहीं बचेगा। रिजिजू ने कहा कि हम एक अच्छा बिल लेकर आए हैं। यह संसद के रिकॉर्ड में दर्ज होगा कि किसने इसका समर्थन किया और कौन इसके विरोध में लगा रहा।किरेन रिजिजू ने कहा, 'हम हाथ जोड़कर विनती करते हैं कि बिल पर बोलने के लिए कुछ नहीं है तो बहाना मत बनाइए, खुलकर बोलिए'। उन्होंने कहा कि बिल पर चर्चा के लिए समय बढ़ाया जा सकता है लेकिन बिल को पारित इसी दिन करना होगा।

मोदी सरकार के मंत्री ने कहा कि बहुत से मुस्लिम भी इस बिल के समर्थन में हैं। जेपीसी में इतनी चर्चा हो चुकी है, अब बस केवल भ्रम फैलाया जा रहा है।वक्फ बिल को पास करने के लिए मोदी सरकार अलर्ट हैं और बीजेपी ने सांसदों को यह सख्त निर्देश दिए गए हैं कि सदन की कार्यवाही के दौरान वह किसी भी मुद्दे पर जरूर से ज्यादा उत्तेजित न हों, जिसका फायदा उठाकर विपक्षी दलों को हंगामा करने का मौका मिले और संसद की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ जाए।

बिल का समर्थन करेगी टीडीपी और जेडीयू

चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी ने वक्फ संसोधन बिल का समर्थन करने की बात कही है। टीडीपी ने कहा कि सीएम चंद्रबाबू नायडू मुस्लिमों के पक्ष में हैं । टीडीपी नेता प्रेम कुमार जैन ने कहा कि संसद में पेश होने वाले वक्फ संशोधन बिल पर पूरे देश के मुस्लिमों की भी निगाहें जमी हुई है ।टीडीपी नेता प्रेम कुमार जैन ने कहा कि संसद में पेश होने वाले वक्फ संशोधन बिल पर पूरे देश के मुस्लिमों की भी निगाहें जमी हुई है. उन्होंने कहा, करीब 9 लाख एकड़ वक्फ बोर्ड की जमीन पर बहुत से लोगों ने गैरकानूनी तरीके से कब्जा कर रखा है। हमारी पार्टी वक्फ संशोधन बिल का समर्थन करेगी। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने हाल ही में कहा कि टीडीपी सरकार ने हमेशा वक्फ संपत्तियों की रक्षा की है और आगे भी करती रहेगी ।जेडीयू के नेताओं के बयान से भी अब ये साफ हो चुका है कि वे इस बिल के समर्थन में हैं। जेडीयू ने कहा, विपक्ष की तरफ से मुस्लिमों को गुमहार करने की कोशिश की जा रही है। इस बिल में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो उनके अधिकार छिनने जैसा हो.वहीं एनडीए के अन्य दल एलजेपी (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान इस बिल को लेकर कह चुके हैं कि विपक्ष मुस्लिमों को गुमराह कर रहा है।

TRENDING है... बुरा न मानों

ललित की बेल कहां तक फैली

पिछली सरकार में सत्ता के नाक,आंख और कान रहे ,सीधे हाउस तक एंट्री करने वाले एक रिटायर्ड अधिकारी की सरकार बदलने के बाद से भाग्य भी बदल गया लगता है ।पिछली सरकार में तूती बोलती थी,जैसा बोलते थे वैसा ही होता था,लिहाजा पानी से चिराग जलाए भी और जलवाए भी ।निजाम बदला तो किस्मत रूठ गई ।अब एफआईआर भी हो गई है ।लेकिन जिनकी एफआईआर हुई उनसे ज्यादा डर उनको लग रहा जिनकी नहीं हुई है ।ये साहब भी ऊंची पोस्ट पर थे,और इनकी ईमानदारी की कसमें गंगा जल लेकर खाई जाती थीं ।अब परेशान इसलिए हैं कि रिटायरमेंट के बाद पता नहीं क्या क्या और देखने को मिलेगा ।खबर तो ये भी है कि इन बड़े साहब को निपटाने के लिए ही भ्रष्टाचार की बेल को वाल पर लटकाया गया है ताकि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे...

● अय्यार

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

प्रवेश उत्सव में विद्यार्थियों का तिलक लगाकर किया अभिनंदन

परासिया। नए सत्र के पहले दिन विद्यार्थियों का शालाओं में तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया। जनप्रतिनिधि विभिन्न शालाओं में पहुंचे और बच्चों का अभिनंदन किया। विधायक सोहन बाल्मिक सीएम राईज स्कूल में पहुंचे। विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। उन्हें इस सत्र में बेहतर पढाई के लिए प्रेरित किया। शाला के प्राचार्य अवधेश वर्मा इस दौरान उपस्थित रहे।

कन्या शाला में नपाध्यक्ष विनोद मालवीय ने किया अभिनंदन

परासिया। नगर पालिका परासिया के अध्यक्ष विनोद मालवीय ने कन्या शाला परासिया में बच्चों का अभिनंदन किया। विद्यार्थियों को किताबों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष बल्लू नागी, पार्षद सुषमा चौरसिया, प्राचार्य स्वर्ण कुमारी सिंह और अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय ने विद्यार्थियों को नए सत्र के लिए शुभकामनाएं दी और बेहदत पढाई कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रौशन करने का आहवान किया।

ईडीसी शाला में पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया ने किया स्वागत

परासिया। स्कूल चले हम अभियान के तहत परासिया के वार्ड क्रमांक दो ईडीसी स्कूल में पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया ने बच्चों का अभिनंदन किया। पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश दुबे, पार्षद रुकमा बंसोड इस दौरान उपस्थित रही। शाला के प्राचार्य कैलाश कुमार डेहरिया और स्टाफ इस अवसर पर उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया ने कहा कि स्कूल जीवन को रौशन करने की जगह है। यहां जो सीखते है वे जीवन में नया सवेरा लाते है। इसलिए प्रतिदिन स्कूल आए और जीवन को नए मोड पर ले जाए।

खिरसाडोह स्कूल में पहुंचे नपा उपाध्यक्ष महेश सोमकुंवर

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खिरसाडोह में प्रवेश उत्सव मनाया गया । नगर पालिका के उपाध्यक्ष महेश सिंह सोमकुंवर , पंच दयाराम कुमरे, पालकगण , प्राचार्य वैजंती नर्रे शिक्षक , शिक्षिका की उपस्थिति में बच्चों को स्कूल चले हम अभियान के तहत तिलक बन्दन पुष्प वर्षा कर प्रवेश उत्सव मनाया गया ।नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण किया । एफएनएलएम मेला में बच्चों ने उत्साह दिखाया।

नवीन कन्या शाला में मनाया प्रवेश उत्सव

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। परासिया के नवीन कन्या शाला में प्रवेश उत्सव मनाया गया। सभापति नरेंद्र विश्वकर्मा और सुषमा चौरसिया ने प्रवेश उत्सव में तिलक लगाकर अभिनंदन किया। छात्राओं पर पुष्प वर्षा की गई । खेल खेल में कैसे शिक्षा ग्रहण करते है बताया गया । कैलाश नारायण गुप्ता प्राचार्य , निशा चौहान , संध्या मालवी ,बीना मण्डलोई ,पूनम गौर अनुमेहा डेविड ,लक्ष्मी परतेती ,मीना यादव ,सत्य नारायण मिश्रा उपस्थित थे ।

कन्हरगाँव में मनाया प्रवेश उत्सव

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। जन शिक्षा केंद्र कन्हरगांव की प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक, हाई स्कूल विद्यालयों में कक्षा पहली से 12वीं के सभी विद्यार्थिंयो का प्रवेश उत्सव कार्यक्रम भ् आयोजित किया गया। जन शिक्षक वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि केंद्र की 32 शालाओं में संस्था के शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थिंयो का तिलक अभिनंदन किया गया। पुस्तक वितरण के साथ प्रसाद वितरण किया गया। सरपंच इंदिरा टांडेकर, नेमी पवार, प्राचार्य धनराज चौहान, संतोष कुमार माटे, जन शिक्षक वीरेंद्र शर्मा एजाज खान की उपस्थिति में प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। किरण शर्मा, प्रकाश चरपे, मोहन मालवीय, निरुपमा माथनकर, कैकई साहू, शीतल सोनी, रामनाथ रोतियां, मोहिनी यदुवंशी उपस्थित रहे।

भोजपुर मंदिर के पास वन विभाग द्वारा दो टाइगरों का किया रेस्क्यू

-एक पिंजरे में कैद हुआ,दूसरे को ट्रैंकुलाइज कर पकड़ा,महीनेभर से दहशत में थे ग्रामीण

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

जिले के भोजपुर मंदिर के पास से दो बाघों का रेस्क्यू किया गया। वन विहार भोपाल और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की टीम ने सोमवार पिंजरे लगाए थे। मंगलवार की रात एक बाघ पिंजरे में कैद हो गया। जबकि दूसरे बाघ को आज ट्रैंकुलाइज कर पकड़ा गया। दोनों को चेकअप के बाद सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेज दिया गया है। टाइगरों द्वारा 10 से ज्यादा मवेशियों का शिकार कर चुका था। टाइगरों के विचरण के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल था। बाघ दिन प्रतिदिन खेतों में घूम रहा था जिस के कारण ग्रामीण फसले नही काट पा रहे थे। खेतों एवं वनक्षेत्र के मध्य से रास्ता निकलता है जो ग्रामीणों का मुख्य मार्ग है। जिससे ग्रामीणों का भोजपुर,मंडीदीप,बंगरसिया आना जाना लगा रहता है। एवं कुछ ग्रामीण मंडीदीप फेक्ट्रियों में नोकरी करते है। जिनका देर रात आना जाना रहता है। मौके पर उपस्थित वन स्टॉफ से ग्रामवासी लगातार बाघों के रेस्कूय करने की मांग कर रहे थे। ग्रामीण लगातार सीएम हेल्पलाईन पोर्टल पर बाघ का रेस्कूय करने की शिकायत कर रहे थे। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दोनों टाइगर के रेस्क्यू का निर्णय लिया गया जिसके परिपालन में मुख्य वन संरक्षक भोपाल के मार्गदर्शन एवं वनमंडल अधिकारी औबेदुल्लागंज के नेतृत्व में परिक्षेत्र चिकलोद के स्टाफ द्वारा 31 मार्च को टाइगर को पकडने हेतु पिंजरे लगाए गए। और 1 अप्रैल को वनविहार भोपाल एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम, पशुचिकित्सको एवं स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस के सहयोग से दोनों टाइगरों का सफल रेस्क्यू किया गया।

मानकादेही स्कूल में नये सत्र में लगा एफएलएन मेला

बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान पर किया आयोजन

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

जन शिक्षा केंद्र कन्हरगांव की शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मानकदेही कलाँ में मंगलवार को कक्षा पहली और दूसरी के विद्यार्थियों के लिए बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर मेले का आयोजन किया गया। मेले में कक्षा पहली और दूसरी के विद्यार्थियों के साथ पालकों ने भाग लिया। मेले के संबंध में जानकारी देते हुए जन शिक्षक वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि जन शिक्षा केंद्र की 28 प्राथमिक शालाओं में कक्षा पहली और दूसरे में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ उनकी माता और पिता के साथ जन प्रतिनिधीयों को भी आमंत्रित किया गया,। विद्यार्थियों के द्वारा 6 मॉडल पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। पंजीयन, शारीरिक विकास, बौद्धिक विकास, भाषा विकास, गणित में बच्चों की समझ बच्चों का कोना, सहित विभिन्न विधाओं पर बच्चों ने अपना प्रदर्शन कर मेले का आनंद उठाया। साथ ही पालकों ने अपने अध्यनरत बच्चों का स्तर जाना।

मेले को लेकर बच्चों और पालक को दोनों में उत्साह देखा गया। इसी क्रम में शासकीय माध्यमिक शाला मानकादेही कला में संस्था के प्रधान पाठक पुष्पा उइके, कक्षा पहली और दूसरी पढ़ने वाले शिक्षक अनूप ठाकरे के साथ जन प्रतिनिधी रमेश चंद्रवंशी एवं शिक्षक हरिराम अहिरवार, अब्दुल एहफाज़ कादरी, अलका शुक्ला, किरण साहू, की उपस्थिति में मेले का आयोजन किया गया।

भाजीपानी स्कूल पहुंचे जनपद पंचायत उपाध्यक्ष जमील खान

परासिया। जनपद पंचायत परासिया के उपाध्यक्ष और शिक्षा सिमति के सभापति जमील खान भाजीपानी स्कूल पहुंचे । यहां उन्होंने बच्चों का तिलक लगाकर स्कूल में पहले दिन स्वागत किया। विद्यार्थियों को आशिर्वचन दिए और शाला परिवार को पूरी मेहनत से काम कर बच्चों का भविष्य बनाने के लिए कहा। इस अवसर पर शाला का स्टाफ उपस्थित रहा।

नागरिकों को ने कलेक्टर से लगाई गुहार समस्याओं का हुआ निराकरण

रायसेन। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में प्रति मंगलवार की भांति आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकृत करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्राप्त अधिकांश आवेदन आर्थिक सहायता, विद्युत, पीएम आवास, अतिक्रमण, खाद्यान्न पात्रता पर्ची सहित योजनाओं के लाभ से संबंधित थे। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सरोज अग्निवंशी तथा श्रीमती अल्का सिंह एवं अनेक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी जनसुनवाई में शामिल हुए।

न्यूटन में घर में लगी आग, पूरी ग्रहस्थी जली

पडौसियों ने आग पर पाया काबू

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

न्यूटन के वार्ड 11 में काली कैंप मंदिर के समीप गौतम भलावी के मकान में रात साढे तीन बजे आग लग गई। आगे से ग्रहस्थी जलकर खाक हो गई। पडौसियों ने गुरुवार शाम पांच बजे बताया कि घर में विकलांग महिला थी। उन्हें बचाया गया। पानी डालकर आग पर काबू पाने तक कुछ नहीं बचा। इस घटना को सुनकर मकान मालिक की तबियत भी बिगड गई।

घटना को लेकर भाजपा नेता हरि आठनकर ने बताया कि इस मकान में वेकोलि के कामगार गौतम भलावी रहते है। वे घर पर नहीं थे। परिवार के अन्य लोग आसपास के कमरों में थे। बहन मीरा घर में अकेली थी। रात तीन बजे आग लगने पर बहन ने आवाज दी तब लोग दौडे। पडौसी शाहिद खान ने बताया कि आग जबरदस्त थी। बिजली बंद कर उन्होंने टुल्लू पंप चालू कर आग पर डाला। अन्य लोग भी आए। विकलांग महिला को कपडे से ढंककर निकाला गया। घर के सिलेंडर निकाले गए।

इकलहरा में बाईक सवार ने अधेड़ को मारी टक्कर

बाईक सवार गंभीर, अधेड को छिंदवाडा किया रिफर

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

इकलहरा में पेंटी कास्टल चर्च के समीप सोमवार को रात आठ बजे के आसपास जामई मार्ग पर बाईक सवार ने अधेड को टक्कर मार दिया। अधेड पैदल था। वह अपने घर के सामने पान की दुकान पर गुटखा लेने जा रहा था। इसी दौरान बाईक सवार ने उसे टक्कर मार दी। बाईक सवार बेहद नशे में बताया जा रहा है। अधेड को छिंदवाडा रिफर किया गया है। उनके पैर में फ्रेक्चर बताया जा रहा है।

घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार चरई निवासी सोनू इकलहरा से बाईक से जा रहा था। इसी दौरान असगर खान अपने घर के सामने पान की दुकान पर सडक से जा रहे थे। तेज रफ्तार से बाईक चलाकर सोनू ने असगर को टक्कर मार दी। दोनों को अस्पताल लाया गया।

असगर खान को छिंदवाडा रिफर किया गया। जबकि सोनू को निजी हास्पिटल ले जाया गया।

बडकुही में बाईक सवार को ट्रक ने मारी टक्कर

पैर में आई गंभीर चोट

परासिया। बडकुही में सोमवार की देर रात ट्रक ने बाईक सवार को टक्कर मार दी। इस टक्कर में बाईक सवार को गंभीर चोटे आई है। घायल बाईक सवार को बडकुही के वेकोलि अस्पताल ले जाया गया।

यहां से परासिया के निजी अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद छिंदवाडा रिफर कर दिया गया। घायल की पहचान भमोडी निवासी धन्नू वर्मा के रूप में हुई है। धन्न वर्मा के पैर में फ्रेक्चर है। ट्रक को बडकुही पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है।

एक अप्रैल से प्रॉपर्टी हुई महंगी,नए वित्तीय वर्ष में 50 प्रतिशत रजिस्ट्री और पानी के बिल में बढ़ोतरी

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

मंगलवार से नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ कई महत्वपूर्ण बदलाव लागू हो गए हैं। जिसमें कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री दरों में वृद्धि की गई है। साथ ही नगर पालिका रायसेन ने जल कर में भी बढ़ोतरी की है। प्रति कनेक्शन मासिक शुल्क 180 रुपए से बढ़कर 200 रुपए हो गया है। जिला पंजीयक रजनीश सोलंकी ने बताया कि 7 मार्च को जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में अचल संपत्ति की गाइडलाइन दरों में वृद्धि का प्रस्ताव भेजा गया था। केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड ने 29 मार्च को इसे मंजूरी दे दी। अब संपदा-2 से ही रजिस्ट्रियां होंगी, क्योंकि संपदा-1 को बंद कर दिया गया है।

प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री दरों में वृद्धि:

शीतल गार्डन कॉलोनी में सबसे अधिक 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। दरगाह शरीफ क्षेत्र में 47 प्रतिशत,रामलीला मैदान में 35 प्रतिशत,गोपालपुर में 42 प्रतिशत,तालाब मोहल्ले में 40 प्रतिशत और शिवम नगर में 31 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। वहीं राधा कृष्ण पुरम,ठाकुर मोहल्ला, श्रीजी बालाजी, गंजबाजार और कृषि फार्म क्षेत्र में मात्र 9 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

अप्रैल से पानी के लगेगें 200 रुपए

रायसेन नगर पालिका ने जल कर में भी बढ़ोतरी की है। प्रति कनेक्शन मासिक शुल्क 180 रुपए से बढ़कर 200 रुपए हो गया है। शहर में कुल 7,344 वैध नल कनेक्शन हैं। नगर पालिका अप्रैल 2025 से अब नई दरों से नल कनेक्शन का मासिक शुल्क 200 लोगों से बिल बनाकर वसूली करेगी।

भाजपा सांईखेडा, भीमपुर एवं बगडोना मंडल की कार्यकारिणी घोषित

बैतूल(मध्य स्वर्णिम)।

भारतीय जनता पार्टी के संभागीय संगठन प्रभारी पंकज जोशी, केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद दुर्गादास उइके, जिला संगठन प्रभारी सुजीत जैन, जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार , विधायक चंद्रशेखर देशमुख, महेन्द्रसिंह चौहान, विधायक डा.योगेश पंडाग्रे की सहमति से सांईखेडा मंडल अध्यक्ष राजेश हिंगवे, भीमपुर मंडल अध्यक्ष अनिल उइके, बगडोना मंडल अध्यक्ष दिपक सिनोटिया ने मंडल कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। घोषित मंडल समिति में छह उपाध्यक्ष, दो महामंत्री, छह मंत्री एवं एक कोषाध्यक्ष की घोषणा की गई है। सांईखेडा मंडल की घोषित मंडल समिति में उपाध्यक्ष राजू धोटे (दातोरा),नान्ही बाई डहारे (चंदोरा), हरिभाउ माकोडे (सांईखेडा), करूणा विभिषण देशमुख (पोहर), दिनेश कसारे (निरगुड), वासूदेव धोटे (पिसाटा), महामंत्री सुभाष धोटे (कान्हाखापा), शंकर नवडे (बोदलपठार), मंत्री रेखा राजू पंवार (सांईखेडा), पदमा कैलाश देशमुख (जौलखेडा), दिवानसिंह सिसोदिया (आमाबघोली), राजू सोनी (खेडीकोर्ट), बलीराम बरोदे (बानूर),वीणा सूर्यवंशी (बानूर) और कोषाध्यक्ष लखन पाठेकर को बनाया गया है। और राजा पंवार, प्रमोद धोटे, बाबा गोविंद काले, बबलू उघडे, विभिषण देशमुख, शैलेन्द्र लालू सोनी, भैयालाल पंवार, योगेश नागले, डा.डांगे जी, विजय धोटे, प्रतूल मानकर, रामभाउ पांडे, बाबा विश्वकर्मा, गजानंद गावंडे, त्रिलोक देवीदास पटेल, धनराज मगरदे, उत्तम धोटे, आनंदराव पाटनकर, भोजराज पटेल, डा.उकन्डराव मानकर, गणेश बारस्कर, सुखदेव गढेकर, नत्थूजी बोडखे, उमेश मालवी, लीलसिंह सिसोदिया, राजेश हिंगवे, सोमराज सूर्यवंशी, संतोष टेकाम, संदीप कोडले, कमलेश नरवरे, परेश धुर्वे, भोला अमरूते, रामचरण परिहार, सुनील देवासे, राजगीर गोस्वामी, तूफानसिंह ठाकुर, संतोष कोडले, देवीदास कालभोर, गोपाल सिंह ठाकुर, मोहन नरवरे, धनराज पंवार, पीरथीलाल डहारे, गणेश पटेल, सदाशिव गढेकर और बलेदव दवंडे को कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है। भीमपुर मंडल की घोषित मंडल समिति में उपाध्यक्ष अशोक गौतम (कुण्डबकाजन), विकास बिसौने (आदर्शधनोरा), देवीराम यादव (डौल),विनोद वटटी (रंभा), सुनीता उइके (आदर्श पिपरिया), सोनू भलावी (धामन्या), महामंत्री हरिशंकर धुर्वे (प्रभूढाना), निरंजन उपासे (भीमपुर), मंत्री सविता भूसुमकर (गुल्लरढाना), प्रेमलता कास्दे (चिखली), सुमित्रा इवने (घुटिया), विकास खाडे (प्रभुढाना), संदीप यादव (नांदा), अनिल परमार (रातामाटी) कोषाध्यक्ष सुरेश यादव (पलस्या) को बनाया गया है। और बीरपाल यादव, सौम्यसिंह बैस, पंकज बैस, सुशील धुर्वे, श्याम आर्य, चंद्रावती चौहान, सुशीला बिसौने, रमेश राठौर, बलराम काकोडिया, केशरी यादव, श्यामजी यादव, जागो यादव, इमरत कवडे, मानीसिंह नर्रे, चरणसिंह राठौर, मदन पोटे, कुंदन राठौर, इंदिरा उइके, ललिता धुर्वे, फुंदा बाई माथनकर, मीरकाय बारस्कर, आशाय बाई कास्दे, सुमरती कवडे, हिरंती धुर्वे, संगीता कुंभारे, मालती काकोडिया, अनिल बोहरपी, विमला चौहान, दिपाली फूवारे, हेमलता कवडे, मनोज बैस, बलवंत आहके, संतोष यादव, तेजीलाल मर्सकोले, प्रेम पंद्राम, बाबूलाल आर्य, भाउजी कास्दे, मूंगूसिंह जावलकर, विजय बिसौने, गंगाराम चागरें, रमेश इवने, मंशू मावसकर, संतोष पांसे, गणेश कश्यप और राजू राठौर को कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है।

पुलिस पर अभद्रता का आरोप, घर में घुस कर संदिग्ध को टॉवल-बनियान में ले जाकर की मारपीट वीडियो आया सामने

परिजनों ने एसपी पंकज पाण्डे, से की शिकायत, कहा पुलिसकर्मी शराब के नशे में थे

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। जिले के सिलवानी में पुलिसकर्मियों पर अभद्रता करने का आरोप लगा है। थाना क्षेत्र के ग्राम साईखेड़ा में पुलिसकर्मियों ने एक घर में घुसकर अभद्रता की। इससे पहले पुलिसकर्मियों ने संदेही के घर के दरवाजे में लात मारी, यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिसकर्मी शराब के नशे में थे। सिलवानी थाने के सब इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह और चार अन्य पुलिसकर्मियों की यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। परिजनों ने बताया कि चोरी की बाइक घर रखी होने की बात कहकर सब इंस्पेक्टर कुशवाहा सिविल ड्रेस में बृजेश चौधरी के घर पहुंचे। उन्होंने गेट पर लात मारी और गाली-गलौज की। परिजनों का आरोप है कि इसके बाद पुलिसकर्मी बृजेश सोते हुए से जगाकर टॉवल और बनियान में उठाकर ले गए। परिजन जब रात 3 बजे थाने पहुंचे, तो पता चला कि बृजेश को थाने नहीं लाया गया। उसे एक प्राइवेट रूम में ले जाकर रात भर मारपीट की गई।

परिजनों ने एसपी से की शिकायत: पूरी घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि सब इंस्पेक्टर और अन्य पुलिसकर्मियों के हाथों में पाइप थे, वे गेट पर लात मार रहे थे। परिजनों ने मंगलवार को एसपी पंकज पांडे से इस मामले की शिकायत की है।

इनका कहना है

मामला मेरे संज्ञान में आया है, सीसीटीवी फुटेज की जांच कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। चोरी की बाइक बृजेश राजपूत के यहां रखी होने की सूचना पर पुलिस पहुंची थी।

अनिल सिंह मौर्य एसडीओपी सिलवानी

सीएम राइज स्कूल अब महर्षि सांदीपनि के नाम से जाने जाएंगे : नारायण सिंह पंवार

प्रभारी मंत्री के मुख्य आतिथ्य में स्कूल चलें हम अभियान के तहत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)। शहर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी तथा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन द्वारा नवीन कक्षाओं में प्रवेशित छात्र-छात्राओं का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। साथ ही छात्र-छात्राओं को पाठ्य पुस्तकें भी वितरित की गईं। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रदेश के सीएम राइज स्कूल अब महर्षि सांदीपनि के नाम से जाने जाएंगे। उन्होंने कहा कि पहले बच्चे गुरूकुल, आश्रमों में रहकर बच्चे शिक्षा प्राप्त करते थे। बच्चे आश्रम में ही रहते, कार्य करते और शिक्षा-दीक्षा भी गृहण करते थे। हम विद्यालयों में विद्यार्थियों को ऐसा परिवेश और मार्गदर्शन दें, जिससे वे कठिन परिस्थितियों में भी श्रेष्ठ ज्ञान और शिक्षा प्राप्त करते हुए नैतिक मूल्यों के साथ लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर हो सकें। कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हम जितना अधिक आगे बढ़ेंगे, हमारा भविष्य उतना अधिक उज्जवल होगा। प्रदेश में बच्चों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए सरकार लगातार नवीन प्रयास कर रही है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

पिता पर लगे 6 साल की मासूम से अशलील छेड़छाड़ के आरोप

भोपाल। राजधानी के हबीबगंज थाना इलाके में स्थित एक बस्ती में मानवता को शर्मसार किये जाने की घटना सामने आई है। यहॉ सगे पिता पर अपनी छह साल की मासूम बच्ची के साथ अशलीलता किये जाने के आरोप लगे हैं। हालांकि पुलिस का कहना है, कि परिवार वालो ने बताया की पिता ने बच्ची का शराब पिलाई थी, उन्होने किसी तरह की गलत हरकत की बात नहीं बताई है। मामले में पुलिस ने फिलहाल संदेही पिता को हिरासत में ले लिया है, वहीं सीडब्ल्यूसी की काउंसलिंग के बाद बच्ची के बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके आधार पर पुलिस आगे की कार्यवाही करेंगी। थाना पुलिस के अनुसार गरीब बस्ती में रहने वाली मासूम अहिरवार समाज से आती है। उसके अन्य चार भाई-बहन भी हैं। बताया गया है कि बच्ची को इलाज के लिये 30 मार्च को जेपी अस्पताल ले जाया गया था। वहॉ चैकअप के दौरान डॉक्टरो को उसके प्रायवेट पार्ट पर चोट के निशान नजर आने पर पुलिस को सूचना दी गई। अस्पताल पहुंची पुलिस ने बच्ची से बातचीत का प्रयास किया गया लेकिन उस समय वह बयान देने की स्थिति में नहीं थी। सूत्रो के अनुसार बच्ची को एनजीओ के सदस्य लेकर पहुंचे थे। उन्होनें पुलिस से कहा की बच्ची को उसके पिता ने जबरदस्ती शराब पिला दी है। और मासूम के साथ गलत काम किये जाने की भी आशंका है। पुलिस ने बच्ची को तुरंत मेडिकल के लिए भेज दिया। वहॉ बच्ची ने डाक्टर से छेड़छाड़ होने की बात कही थी। बाद में पुलिस बच्ची के घर पहुंची जहॉ बच्ची की मां ने उसके साथ गलत काम होने से इंकार कर दिया। पुलिस ने आरोपी पिता को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि बच्ची से बातचीत करने और मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्यवाही की जायेगी।

खाना खाकर सोये पीएंडटी विभाग के कर्मचारी की नींद में ही सदिंग्ध हालत में मौत

भोपाल। शहर के टीला जमालपुरा थाना इलाके में रहने वाले पीएंडटी यानि पोस्टल एंड टेलीकॉम डिपार्टमेंट के एक कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने की घटना सामने आई है। बताया गया है की मृतक काम के सिलसिले में दिल्ली गये थे, वहॉ से आकर उन्होने खाना खाकर सो गये थे। अगली सुबह देखन पर पता चला गी उनकी मौत हो गई है। थाना पुलिस के अनुसार पीएंडटी कॉलोनी में रहने वाले राजेश कुमार सिंह पिता कमल सिंह (57) डाक विभाग में नौकरी करते थे। परिवार वालो ने पुलिस को बताया की राजेश कुमार सिंह 30 मार्च को विभागीय डाक देकर दिल्ली से वापस लौटे थे। रात में खाना खाकर वे सो गए। जब वह काफी देर तक सोकर नहीं उठे तब उनके भांजे ने उन्हें जगाने के लिये हिलाया डुलाया लेकिन उनके शरीर मे कोई हलचल नहीं हुई। बेसुध हालत में परिवार वाले उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल लेकर पहुचें जहां डॉक्टर ने उन्हें शुरुआती चेकअप के बाद ही मृत घोषित कर दिया। पुलिस को जांच में सामने आया है कि मृतक विवाहित है, लेकिन उनके कोई बच्चे नहीं हैं। इन दिनो उनकी पत्नी भी दिल्ली गई हुई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण साफ हो सकेगा जिसके आधार पर आगे की जांच के बिंदु तय किये जायेगे।

अल्ट्राटेक कंपनी में नौकरी का झांसा देकर ठगने वाला मास्टरमांइड साथी नोएडा से गिरफ्तार

भोपाल। क्राईम ब्रान्च (सायबर) भोपाल की टीम ने ऐसे ठग गिरोह के मास्टरमांइड सहित दो आरोपियो को यूपी के नोएडा से गिरफ्तार किया है, जिन्होनें नामचीन अल्ट्राटेक कम्पनी मे नौकरी दिलाने के नाम पर 12 लाख 68 हजार से अधिक की ठगी की थी। क्राईम ब्रांच एडीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया की मार्च 2024 में फरियादी दुलारे सिंह (परिवर्तित नाम) ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की उसे अच्छी नौकरी की तलाश थी, इस बीच अज्ञात आरोपियो ने उससे सात अलग-अलग मोबाइल नंबरो से फोन पर संपर्क कर खुद को इंडीड कंसलटेंसी कंपनी का कर्मचारी बताकर संपर्क किया था। आरोपियो ने उसे अल्ट्राटेक कंपनी में नौकरी लगने की बात कही और कंपनी में रजिस्ट्रेशन, मेडीकल और रहने के नाम पर एसबीआई, केनरा बैंक, आईडीबीआई, डीसीबी और एचडीएफसी बैंक के कई अकांउट में 12 लाख 68 हजार से अधिक की रकम ट्रांसफर करवा ली। शिकायत की जॉच के बाद पुलिस ने मोबाइल नंबर धारको और जिन खातो में रकम ट्रांसफर की गई थी, उन खाता धारको के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु की। सायबर क्राईम टीम ने तकनीकी एनालिसिस में हाथ लगे सुरागो के आधार पर ठग गिरोह के

भोपाल में गाइडलाइन दरों में औसत 11 प्रतिशत बढ़ोतरी

कई क्षेत्रों में 50 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि

भोपाल। राजधानी भोपाल में एक अप्रैल मंगलवार से संपत्तियों के पंजीयन की कलेक्टर गाइडलाइन औसत 11 फीसदी बढ़ जाएगी। इससे घर खरीदना और मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि गाइडलाइन बढ़ने से संपत्तियों के दाम भी बढ़ जाएंगे।

दरअसल भोपाल की नई कलेक्टर गाइडलाइन पर राज्य सरकार ने मुहर लगा दी है। प्रॉपर्टी की दरों में औसत 11 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है। केंद्रीय मूल्यांकन समिति को औसत 14 फीसदी वृद्धि का प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन शहरी इलाकों में बावड़िया और ग्रामीण इलाकों में रातीबड़ तथा नीलबड़ जैसी 167 जगहों पर 50 प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि की गई है, जहां प्रॉपर्टी की खरीद बिक्री ज्यादा है। भोपाल जिले की 3883 में से 1312 लोकेशन पर दाम बढ़ाए गए हैं, जबकि 1601 लोकेशन पर कोई बदलाव नहीं किया गया है।

केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड ने भोपाल जिला प्रशासन द्वारा भेजी गई गाइडलाइन दरों को स्वीकार कर

लिया है। नई दरें 1 अप्रैल से लागू होंगी। हालांकि, क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज सिंह मीक ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह प्रक्रिया वैज्ञानिक और पारदर्शी नहीं है।

उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, सर्कल रेट्स का निर्धारण वास्तविक बाजार मूल्य के आधार पर होना चाहिए, न कि अनुमानों पर। दरअसल, भोपाल के सांसद आलोक शर्मा और जिला मूल्यांकन समिति के सदस्य विधायक भगवानदास सबनानी के हस्तक्षेप के बाद 11 प्रतिशत की औसत वृद्धि की गई है।

कितनी लोकेशन पर कितने बढ़ी दर

लोकेशन	बढ़ोतरी
149 लोकेशन पर	0-10प्रतिशत बढ़ोतरी
382 लोकेशन पर	10-20प्रतिशत बढ़ोतरी
234 लोकेशन पर	20-30प्रतिशत बढ़ोतरी
176 लोकेशन पर	30-40प्रतिशत बढ़ोतरी
204 लोकेशन पर	40-50प्रतिशत बढ़ोतरी
167 लोकेशन पर	50प्रतिशत से अधिक वृद्धि।

इन लोकेशन सबसे ज्यादा बढ़ोतरी (रु./वर्ग मी.)

स्थान	पुरानी दर	नई दर	बढ़ोतरी
चंदनपुरा सड़क	10,000	20,000	100प्रतिशत
सेमरा सैय्यद	2,100	4,000	90.5प्रतिशत
बावड़िया कला	43,000	70,000	62.8प्रतिशत
मीरपुर	5,000	8,000	60प्रतिशत
पड़रिया	3,000	4,000	33.3प्रतिशत
सतगढ़ी कलां	3,800	4,000	5.26प्रतिशत
तारासेवनिया	2,400	3,000	25प्रतिशत
गोल गांव	3,800	5,000	31.57प्रतिशत
श्यामपुर	2,800	3,500	25प्रतिशत
हिनोतिया कछियान	8,800	11,000	25प्रतिशत
पलासी अन्य कॉलोनी	12,000	15,000	25प्रतिशत
गोंदरमऊ	20,000	25,000	25प्रतिशत
रासलाखेड़ी	17,500	19,000	8.57प्रतिशत
परवलिया सड़क	4,300	5,000	16.28प्रतिशत
पिपलिया बोरखेड़ी	6,200	7,000	12.90प्रतिशत

प्रचलित और नव स्वीकृत जल संरक्षण कार्यों को पूर्ण करें : संभागायुक्त

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

भोपाल। संभागायुक्त संजीव सिंह ने प्रचलित एवं स्वीकृत जल संरक्षण कार्यों को पूर्ण करने,खेत तालाबों, अमृत सरोवरों के निर्माण एवं ऐतिहासिक धार्मिक तालाबों जलस्त्रोतों तथा देवालयों की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पेयजल स्त्रोतों को जिओ टैग कर समेकित रूप से जानकारी संग्रह करने एवं सभी शासकीय विभागों के बिल्डिंग्स में रूफ टॉप रैन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिंह ने सभी संभागीय अधिकारियों को जिले में सहभागी विभागों द्वारा अभियान हेतु प्रस्तावित गतिविधियों की कार्ययोजना तैयार कर निरंतर समीक्षा करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त संजीव सिंह ने मंगलवार को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक ली। बैठक में नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती अंजू अरुण कुमार, संयुक्त आयुक्त विनोद यादव, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त सिंह ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग को शहरी क्षेत्रों के बिगड़े बाग बगीचों को चिन्हांकित कर हरित विकास करने, जल संरक्षण में युवाओं की भागीदारी हेतु अमृत मित्र बनाने एवं नदियों में मिलने वाले नालों के शोध की कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त सिंह ने भूजल संवर्धन, नल जल योजनाओं के अंतर्गत पाइप लाइन लीकेज, टपकते नल ओर अपव्यय के निराकरण करने एवं पेयजल स्त्रोतों के पुनर्भरण हेतु रिचार्ज शाफ़्ट संरचना के निर्माण कार्य हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के अधिकारी को औद्योगिक इकाइयों में रूफ टॉप वाटर हार्वेस्टिंग के प्रावधान का पालन करवाने एवं औद्योगिक क्षेत्रों में जल निकासी एवं प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त सिंह ने अधिकारियों को जन अभियान परिषद के साथ समन्वय स्थापित कर जल संचय और संवर्धन के महत्व और संवेदनशीलता का प्रचार-प्रसार कर जनसहभागिता से जल स्त्रोतों की सफाई और संरक्षण के कार्य करने के निर्देश दिए।

ओले-बारिश और आंधी का अलर्ट

चार दिन तक बदला रहेगा प्रदेश का मौसम

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव होने से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है।अप्रैल के पहले सप्ताह में तेज गर्मी की बजाय बारिश, ओले का असर देखने को मिलेगा।

आज से प्रदेश में अगले 4 दिन मौसम बदला रहेगा। कहीं ओले गिरेंगे तो कहीं 40 से 50किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलेगी। जबकि बड़वानी, खरगोन और खंडवा में ओले गिर सकते हैं, वहीं सीहोर, रायसेन, सागर, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, सिवनी, बालाघाट, पांढुर्णा, बैतूल, हरदा और बुरहानपुर में तेज आंधी का अलर्ट है।

मौसम विभाग के अनुसार, बदले मौसम का असर पूरे प्रदेश में ही देखने को मिलेगा। जिससे दिन के तापमान में भी गिरावट होगी।

इसलिए ऐसा मौसम

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, एक टर्फ दक्षिण छत्तीसगढ़ से विदर्भ होते हुए मध्य महाराष्ट्र तक गुजर रहा है। वहीं, यहां से साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी गुजर रहा है। इस वजह से प्रदेश में मौसम बदलेगा। शुरुआत में दक्षिणी हिस्से में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। फिर प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश, आंधी और गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। आंधी की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रतिघंटा तक रह सकती है। कुछ जिलों में यह रफ्तार 20 से 40 किमी के बीच रहने का अनुमान है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

जनसुनवाई में 75 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया।

जनसुनवाई में आए नागरिकों से 75 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एडीएम सिद्धार्थ जैन, भूपेन्द्र गोयल, अंकुर मेश्राम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर सिंह ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया।

उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

एमसीए कर रहे रैपिड़ो राइडर से दिन भर घुमने के बाद छुरी अड़ाकर लूटा

40 किलोमीटर घुमने के बाद 40 हजार का मोबाइल छीन लिया

भोपाल। शहर के पिपलानी थाना इलाके में रैपिडो राइडर को चाकू की नोंक पर लूटने का मामला सामने आया है। आरोपी के दोस्त ने रैपिडो को बुक किया था, इसके बाद शहर भर में घुमाने के बाद चाकू अड़ाकर लूट लिया। पीड़ित युवक कॉलेज छात्र है जो अपना खर्च निकालने के लिये पार्ट टाइम रैपिडो चलाता है। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

थाना पुलिस के अनुसार अमित सिंह पिता उदय सिंह (24) ने अपनी शिकायत में बताया की वह मूलत: बिहार का रहने वाला है, और स्टेशन

बजरिया थाना इलाके में स्थित चांदबड़ में रहते हुए एलएनसीटी कॉलेज से एमसीए का कोर्स कर रहा है। अपना खर्च निकालने के लिये वह पार्ट टाईम में रैपिडो चलाने का काम करता है। उसने पुलिस को आगे बताया की 24 मार्च को एक बुकिंग आने पर वह मीनाल रेसीडेंसी में एक ब्यूटी पार्लर में पहुंचा। यहां काम करने वाले रिषी रजक ने बताया की बुकिंग उसने अपने दोस्त शुभम कहार के लिये की थी।

उसने अमिस से शुभम को छोला रोड पर छोड़ने के लिए बोला। अमित उसे लेकर चल दिया लेकिन आरोपी शुभम कहार छोला न जाकर उसे शहर में कई जगहो पर कीरब 40 किलोमीटर तक घुमाता रहा। बाद में वह उसे रत्नागिरी चौराहे पर और वहॉ से उसे भेल के खंडहरनुमा मकान की और ले गया।

ज्वेलर्स शॉप में बच्चे के साथ आई दो महिलाओ ने सोने के कंगन उड़ाये

सीसीटीवी में कैद हुई करतूत

भोपाल। भोपाल के अरेरा हिल्स इलाके में स्थित मालवीय नगर में राज श्री ज्वैलर्स शोरूम से ग्राहक बनकर आई दो महिलाओं ने लाखों रुपए के जेवरात चोरी कर लिए। उनके साथ एक मासूम बच्चा भी था। घटना के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। अरेरा हिल्स पुलिस ने अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर फुटेज के आधार पर उनकी पहचान जुटाने के प्रयास शुरु कर दिये है। सीसीटीवी में नजर आ रहा है की महिला समेत तीन लोगों ने दो सोने के कड़े चोरी कर लिए। घटना 28 मार्च करीब पॉच बजे की है। तीनों दुकान में पंजाबी कड़ा देखने आए थे,

कड़ा पसंद नहीं आने पर वह वापस चले गए थे। रात में जेवरों का मिलान करने पर सोने के दो कड़े कम मिले। शोरूम में लगे सीसीटीवी चेक करने पर सामने आया की तीनों आरोपियो ने कर्मचारी को बातों को मिलाकर घटना को अंजाम दे दिया है।

उनके चेहरे पर नकाब नहीं था, जिससे उसने चेहरे साफ कैद हुए है। पुलिस के अनुसार, राजेश अग्रवाल (60), सुभाष नगर में रहते है। उनकी अलंकार ज्वेलर्स के नाम से जवाहर भवन के पास शोरूम है। उन्होंने पुलिस को बताया कि 28 मार्च की रात शोरूम बंद करने से पहले सारे जेवरों का मिलान किया जाता है। उस दिन दो सोने के कड़े कम आ रहे थे। शक होने पर जब शोरूम में लगे सीसीटीवी चेक किए गए तो उसमें दो महिलाएं और एक लड़का शाम करीब साढ़े चार बजे के आसपास शोरूम में आए थे, उन्होंने कर्मचारी से पंजाबी कड़ा दिखाने की बात कही।

दुकान पर मौजूद सेल्स मेन राजेश अग्रवाल ने उन्हें कई तरह की चूड़ियां दिखाई। करीब आधा घंटा तक उन्होंने सामान देखा। सैल्समेन कड़ा निकालने के लिए अपने कांउटर से दूसरे काउंटर तक भी गया, इसी बीच तीनों में से एक महिला ने शोकेस में रखे दो सोने के कड़ों पर हाथ साफ कर दिया।

फर्जी कॉल सेंटर रिश्वत कांड में टीआई के बाद प्रधान आरक्षक को भी हाईकोर्ट से मिली जमानत

रिश्वत लेते धराए मुख्य आरोपी फरार एएसआई पवन रघुवंशी को बर्खास्त करने की तैयारी

भोपाल। राजधानी भोपाल में पकड़ाये फर्जी कॉल सेंटर के आरोपियों को बचाने के लिए रिश्वत लेने के मामले में आरोपियों मे शामिल फरार आरोपी प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह को भी हाईकोर्ट जबलपुर ने उसकी जमानत याचिका मंजूर करते हुए जमानत का लाभ दे दिया है।

गौरतलब है कि मामले में इससे पहले मामले में आरोपी बनाये गये ऐशबाग टीआई को तो हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। लेकिन पूरे मामले में मुख्य आरोपी सस्पेंड और फरार एएसआई पवन सिंह रघुवंशी को कोर्ट ने अग्रिम जमानत देने से इंकार करते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर चुकी है। फरार आरोपी प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह को मंगलवार को जमानत दी गई है, मुख्य आरोपी एएसआई पवन रघुवंशी का कहना था, कि फर्जी कॉल सेंटर मामले में आरोपियो को बचाने के लिये रिश्वत की जो डील की गई थी, उसमें थाना प्रभारी जितेंद्र गढ़वाल, एएसआई मनोज सिंह, हेड कॉन्स्टेबल धर्मेंद्र सिंह समेत अन्य शामिल हैं। पवन रघुवंशी द्वारा पुलिस को दिए बयानों के मुताबिक, मामले में मुख्य आरोपी अफजल खान के साले मुईन खान, उसके भाई वसीम खान और अफजल की पत्नी जाहिदा को आरोपी न बनाने के लिए रिश्वत मांगी गई थी। टीआई जितेंद्र गढ़वाल के कहने पर पवन और साथी एएसआई मनोज सिंह, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह ने पूरी डील की थी।

तीन माह में चालान पेश नहीं कर पाई लोकायुक्त पुलिस, धनकुबेर सौरभ और उसके राजदारों की मिली जमानत

भोपाल। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा करोड़ों रुपये की अवैध कमाई के मामले में भ्रष्टाचार की छापेमारी की जद में आए थे। लेकिन लोकायुक्त पुलिस तीन महीने में उसके खिलाफ कोर्ट में चालान प्रस्तुत नहीं कर पाई। तीन महीने में चालान प्रस्तुत नहीं कर पाने पर अदालत ने हैरानी जताई और मुख्य आरोपी सौरभ शर्मा, उसके राजदार और बिजनेस पार्टनर चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल को जमानत दे दी है। दरअसल, किसी भी जांच एजेंसी को कार्रवाई के तीन महीने के अंदर अदालत में चालान प्रस्तुत करना होता है। ऐसा नहीं करने पर अदालत को बताना होता है कि जांच में किन-किन बिंदुओं पर जानकारी जुटाई जा रही है या तकनीकी साक्ष्य या किसी लैब की रिपोर्ट आने में समय लग रहा है।

यह है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार, 18 दिसंबर 2024 को लोकायुक्त पुलिस ने परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके राजदारों व बिजनेस पार्टनर चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल के भोपाल व अन्य ठिकानों पर छापेमारी कर करोड़ों की संपत्ति बरामद की थी। इसके बाद 19-20 दिसंबर की दरमियानी रात ही आयकर विभाग की टीम ने रातीबड़ क्षेत्र में स्थित मेंडोरा के जंगल में बने एक फार्म हाउस में लावारिस हालत में खड़ी इनोवा से करीब 54 किलोग्राम सोना और दस करोड़ से अधिक की नकदी बरामद की थी। इसके बाद आयकर विभाग भी सौरभ शर्मा और उसके साथियों के खिलाफ जांच शुरू की और रिमांड पर लेकर पूछताछ भी की है।

भगवान बनने की कोशिश कर रहे हैं डोनाल्ड ट्रंप

दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप कुछ ही महीनो के कार्यकाल में ही सबसे ज्यादा चर्चित और विवादित राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के पहले उन्होंने, जिस तरह से दुनिया के सभी देशों को टैरिफ को लेकर धमकाना शुरू कर दिया था। यूरोपीयन एवं नाटो देशों को टैरिफ एवं सुरक्षा समझौतों को लेकर जिस तरह के अनाप-शनाप बयान और धमकी दी है। उससे अमेरिका के यूरोपीय देशों के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में एक नई अफरा तफरी मची हुई है। सारी दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के साथ-साथ टैरिफ युद्ध को लेकर नया तनाव देखने को मिल रहा है। ट्रम्प के सलाहकार एलन मस्क उनसे एक कदम आगे चल रहे हैं। अमेरिका में लाखों लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया है। अप्रवासी नीति को लेकर अमेरिका के राज्यों के साथ ट्रम्प के मतभेद उभर कर सामने आ रहे हैं। इसी बीच उन्होंने लेंगिक पहचान और महिला अधिकारों पर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा औरत वह होती है, जो बच्चा पैदा कर सकती है। ट्रांसजेंडर को लेकर पहले भी उनके आपत्तिजनक बयान आए थे। अब उन्होंने सीधे-सीधे उन महिलाओं को महिला मानने से इनकार कर दिया है। जो मां बनने में सक्षम नहीं है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही के निर्णयों में महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। न्यू जर्सी के एक कार्यक्रम में महिला पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा जो महिला बच्चा पैदा नहीं कर सकती है। जो महिला पुरुषों से ज्यादा स्मार्ट है। जो पुरुषों की सफलता में बाधा बनती है। इस तरह के विवादित बयान देकर डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आप को ईश्वर के समकक्ष अपने आपको खड़ा करने का प्रयास करे रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कह दिया है, वह 2029 में तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए संविधान बदलना होगा, तो वह बदल देंगे। ट्रंप, सारी दुनिया के देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उसकी विभिन्न प्रतिक्रिया सारी दुनिया के देशों में हो रही है। अमेरिका के अंदर भी उनकी लोकप्रिय में दो माह के अंदर सात फ़ीसदी से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। इतने कम समय में लोकप्रियता में इतनी बड़ी गिरावट किसी भी राष्ट्रपति के बारे में इसके पूर्व देखने को नहीं मिली। इसके बाद भी ट्रंप और एलन मस्क के ऊपर कोई असर नहीं पड़ रहा है। एलन मस्क के निर्णयों के खिलाफ सारे अमेरिका में 227 से ज्यादा स्थानो पर प्रदर्शन हो रहे हैं। एलन मस्क की गाड़ियो को जलाया जा रहा है। उनकी कंपनियों के शेयर अमेरिकी नागरिकों द्वारा बेचे जा रहे हैं। अमेरिका के विभिन्न राज्यों की न्यायपालिका ने ट्रम्प के कई प्रशासनिक आदेशों के पालन पर रोक लगा दी है। ट्रंप जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उसको देखते हुए अमेरिका और बाहर के देशों में उनकी छवि एक मूर्ख, लालची या अहंकारी नेता के रूप में बन रही है। अमेरिका जैसे देश में इसके पहले कोई भी राष्ट्रपति इस तरह से विवादित नहीं रहा। अमेरिका के राष्ट्रपति का अहंकार सभी को हैरान करने वाला है।

गिल्ली-डंडा और कंचे जैसे खेल भरेंगे बच्चों में नए रंग

यदि आपके बच्चे स्कूलों में पढ़ रहे हैं और अब तक गिल्ली-डंडा, कंचे, कबड्डी, गुट्टी व राजा मंत्री-चोर सिपाही जैसे खेलों से परिचित नहीं हैं तो जल्द ही उन्हें इन परंपरागत प्राचीन भारतीय खेलों से परिचित होने का मौका मिल सकता है। आधुनिकता और तकनीक के इस दौर में तेजी से लुप्त हो रहे इन परंपरागत भारतीय खेलों को बचाने को लेकर शिक्षा मंत्रालय ने एक नई मुहिम शुरू की है। जिसमें देश की नई पीढ़ी को इन भारतीय खेलों से स्कूली स्तर पर ही जोड़ा जाएगा। इनमें ऐसे परंपरागत खेलों को अधिक अहमियत दी जाएगी, जो समूहों में खेले जाते हैं। माना जा रहा है कि इससे बच्चों में सामाजिक जुड़ाव की भावना विकसित करने में मदद मिलेगी। देश के अलग-अलग हिस्सों में प्राचीन समय से खेले जाने वाले करीब 75 भारतीय खेलों को अब तक इस पहल के तहत चिह्नित किया गया है। इनमें खो-खो, कबड्डी व गिल्ली-डंडा जैसे ऐसे खेल भी शामिल हैं, जो अलग-अलग नामों से देश के कई हिस्सों में और दुनिया के दूसरे देशों में खेले जाते हैं। मंत्रालय फिलहाल कबड्डी की तर्ज पर इन खेलों के लिए एक स्टैंडर्ड नियम-कायदे बनाने में जुटा है। इसमें इन खेलों से जुड़े विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। अब तक कबड्ड़ी, गिल्ली-डंडा, खो-खो और लगोरी या पिट्ठू जैसे खेलों के नियम कायदे और इसे खेलते हुए वीडियो अपलोड भी किए जा चुके हैं। बाकी खेलों को लेकर भी ऐसी तैयारी चल रही है। मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, इस पहल के पीछे का उद्देश्य बच्चों को इन खेलों के जरिये भारतीय जड़ों से परिचित कराना है। इसका एक ढांचा तैयार किया जा रहा है। इन खेलों से जुड़े देशभर के प्रतिभाशाली लोगों की पहचान की जा रही है। स्कूलों में तैनात खेल तथा व्यायाम शिक्षकों को इसका प्रशिक्षण देने की तैयारी भी की जा रही है। यह भी बताया गया है कि स्कूलों से इसका ब्योरा मांगा गया है। इसके साथ ही इन खेलों के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए देशभर में इससे जुड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित करने जैसी पहल शामिल है। शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में की गई पहल को इससे जोड़कर देखा जा रहा है।

शक्ति पूजा का पर्व है नवरात्रि

नवरात्रि देवी दुर्गा के नौ अवतारों या स्वरूपों की पूजा करने का प्रसिद्ध त्योहार है। जिसे शक्ति या देवी के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतोर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है। नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं। नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री। नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि। नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है।

(घोर कलयुग की दस्तक) नैतिक पतन के चलते खतरे में इंसानी रिश्ते।

समाज में कितना पतन बाकी है? यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है? महिला ने जेठ के साथ मिलकर अपने दो वर्ष के बेटे को मरवा दिया। पत्नी ने प्रेमी सँग मिलकर मर्चेंट नेवी मे अफसर पति के टुकड़े-टुकड़े किये। पिता ने नौकर से अपने बेटे की हत्या करवायी। माँ,बाप,भाई, दोस्त,पार्टनर को मारने की खबरें आम हैं। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

अपराध और नैतिक पतन की ये घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि कहीं न कहीं हमारी सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्य और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट है। लेकिन यह भी ध्यान देने की बात है कि नकारात्मक घटनाएँ समाचारों में ज़्यादा दिखाई देती हैं, क्योंकि वे लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। समाज में आज भी बहुत से लोग हैं जो प्रेम, सहयोग और नैतिकता से भरे हुए हैं। हमें ज़रूरत है कि हम अच्छाई को भी उतना ही महत्त्व दें और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। इस पतन के कारणों को समझकर समाधान निकालना ज़रूरी है— परिवारों में संवाद बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना, नैतिक शिक्षा को मज़बूत करना और अपराध रोकने के लिए सख़्त क़दम उठाना। हमें यह भी सोचना होगा कि हम किस तरह के मूल्यों को बढ़ावा दे रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा समाज बना रहे हैं। समाज के पतन को पूरी तरह रोकना कठिन हो सकता है, लेकिन हम सब मिलकर इसे धीमा कर सकते हैं और सही दिशा में मोड़ सकते हैं।

आज के समय में जब हम समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर नज़र डालते हैं, तो चारों ओर अपराध, धोखा, हिंसा और नैतिक पतन की ख़बरें देखने को मिलती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि समाज घोर कलयुग के प्रभाव में प्रवेश कर चुका है। पारिवारिक सम्बंधों में विश्वास की कमी, नैतिक मूल्यों का ह्रास और भौतिक सुखों की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को कमजोर कर दिया है। समाज में नैतिकता, रिश्तों की अहमियत और मानवीय संवेदनाएँ धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही हैं। हत्या, विश्वासघात, स्वार्थ, लालच और नैतिक पतन की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। यह देखकर ऐसा लगता है कि समाज एक अंधकारमय दौर की ओर बढ़ रहा है। यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। समाज में जिस तरह से नैतिक पतन बढ़ रहा है, वह केवल अपराधों की संख्या नहीं बल्कि पारिवारिक और सामाजिक ताने-बाने के टूटने का संकेत भी देता है। समाज में रिश्तों की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है और इसके कई कारण हो सकते हैं। पहले जहाँ रिश्तों में अपनापन, विश्वास और त्याग होता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच और दिखावे ने उनकी जगह ले ली है। माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी और दोस्तों के बीच भी आजकल स्वार्थ और लालच हावी होता जा रहा है। परिवार, जो पहले प्रेम और सहयोग का केंद्र हुआ करता था, अब झगड़ों और आपसी मतभेदों का शिकार बनता जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर हत्या, बलात्कार, लूटपाट और धोखाधड़ी जैसी घटनाएँ बढ़ रही हैं। परिवार के सदस्य तक एक-दूसरे के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। लोग नैतिकता और ईमानदारी को छोड़कर किसी भी तरह से धन और सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का शोषण ही क्यों न करना पड़े। पहले लोग जीवन में धैर्य रखते थे, कठिनाइयों को सहन करते थे, लेकिन आजकल गुस्सा और अधीरता लोगों पर हावी हो गई है। छोटे-छोटे विवाद हिंसक रूप लेने लगे हैं। धर्म केवल दिखावे का साधन बनता जा रहा है, जबकि नैतिकता और ईमानदारी की क़ीमत घटती जा रही है। लोग दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं लेकिन ख़ुद सही राह पर नहीं चलते। पहले संयुक्त परिवार होते थे, जहाँ बुजुर्गों का मार्गदर्शन रहता था। लेकिन अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आधुनिकता के नाम पर पारिवारिक मूल्यों में कमी आ रही है। आर्थिक दबाव, रिश्तों में तनाव और व्यक्तिगत इच्छाओं के टकराव से लोग मानसिक रूप से अस्थिर हो रहे हैं, जिससे वे ग़लत फैसले लेते हैं। इंटरनेट पर हिंसा, अपराध और अनैतिकता को कहीं न कहीं सामान्य बना दिया गया है। लोग बिना सोचे-समझे चरम क़दम उठा लेते हैं। स्कूलों और परिवारों में बच्चों को सही और ग़लत का फ़र्क़ कम सिखाया जा रहा है। लालच, ईर्ष्या और व्यक्तिगत स्वार्थ बढ़ रहे हैं। अपराधी जानते हैं कि सजा मिलने में देरी होगी या बचने का रास्ता मिल जाएगा, जिससे अपराधों की संख्या बढ़ रही है। समाज में जो घटनाएँ हो रही हैं, उन्हें देखकर यही लगता है कि हम घोर कलयुग के दौर में प्रवेश कर चुके हैं। जहाँ पहले रिश्ते, प्रेम, सम्मान और नैतिकता को महत्त्व दिया जाता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच, क्रोध और हिंसा हावी होते जा रहे हैं। समाज में बढ़ते अपराधों को देखकर ऐसा लगता है कि इंसानियत, सहनशीलता और प्रेम धीरे-धीरे ख़त्म होते जा रहे हैं। लेकिन अगर परिवार, समाज और सरकार मिलकर सही क़दम उठाएँ, तो इस गिरावट को रोका जा सकता है। पारिवारिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने के लिए माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए, उन्हें नैतिक शिक्षा देनी चाहिए और सही-गलत का फ़र्क़ समझाना चाहिए। तनाव, अवसाद और गुस्से से जुड़ी समस्याओं को नज़रअंदाज न किया जाए। ज़रूरत हो तो थेरेपी और काउंसलिंग को अपनाया जाए। अपराधियों को कड़ी सजा मिले और कानूनी प्रक्रिया तेज़ हो, ताकि अपराधियों में डर बना रहे। सकारात्मक कहानियों और नैतिकता से जुड़े कंटेंट को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे समाज में अच्छे मूल्यों की प्रेरणा मिले। स्कूलों में नैतिक शिक्षा, सहानुभूति और सामाजिक मूल्यों पर ज़ोर दिया जाए। समाज में नैतिकता और इंसानियत बनाए रखने के लिए हम सबको अपनी ज़िम्मेदारी निभानी होगी। यह केवल सरकार या कानून का काम नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति को अपने स्तर पर बदलाव लाने की ज़रूरत है।

भारत के सशक्त स्वास्थ्य मोर्चे का दुनिया ने लोहा माना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत मिशन' के तहत देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है।

इतना ही नहीं यूएन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अनूठी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे 'अनुकरणीय' बताया। मोदी सरकार के ऐसे कामों एवं उपलब्धियों की आलोचना करने वालों को प्रशंसा भी करनी चाहिए, क्योंकि अच्छे काम के लिए प्रशंसा सरकारों को मूल्यवान महसूस कराती हैं और उन्हें अपने काम के प्रति अधिक वफ़ादार एवं जिम्मेदार बनाती हैं। अनेक शोध के अनुसार, जो देश एवं प्रांत अपनी सरकारों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, उनकी उत्पादकता और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि देखी जाती है और दुनिया इसकी प्रशंसा करती है। प्रशंसा और आभार व्यक्त करने से समुदाय की भावना, जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिये कुछ अधिक सशक्त करने का एक कारण मिलता है। ऐसे कारणों से नया भारत, विकसित भारत एवं सशक्त भारत का निर्माण होता है। मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूठा एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबी का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों आश्चर्यकारी रही है, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है। वर्ष 2000 के बाद भारत में नौनिहालों का जीवन बचाने की सार्थक एवं प्रभावी मुहिम छेड़ी है, जो एक बड़ी छलांग एवं उपलब्धि है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के इस आकलन से मोदी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है। इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है। इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक निवेश के माध्यम लाखों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। इसने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से शिशु मृत्यु दर में ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह की बाल मृत्युदर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, घाना व बुरुंडी का उदाहरण दिया गया। वर्ष 2000 से भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में 70 व नवजात शिशुओं की मृत्युदर में 61 प्रतिशत की कमी हासिल की है। स्वास्थ्य कवरेज बढ़ाने, सशक्त स्वास्थ्य नीतियों एवं योजनाओं से मौजूदा स्थिति को सुधारने के लिए किए गए उपायों के कारण ऐसा संभव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर गर्भवती महिला मुफ्त प्रसव की हकदार है और शिशु देखभाल संस्थानों में मुफ्त परिवहन, दवाएं, निदान और आहार इसमें सहायता प्रदान करती है। भारत ने प्रसूति प्रतीक्षा गृहों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग, बीमार नवजात की देखभाल, मातृ देखभाल और जन्म दोष जांच के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। भारत ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दाइयों व कुशल प्रसव सहायकों के प्रशिक्षण और तैनाती को भी प्राथमिकता दी है। दुनिया भर में लगभग एक अरब बच्चे पहले से ही उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का सामना कर रहे हैं और बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है कि जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा पर तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने आकर्षित किया है

भारत हज़ारों वर्षो से संस्कृति, साहित्य, कला और संगीत के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति से भरपूर एक अणखुट खज़ाने का धनी रहा है जिसे विश्व के हर देश ने बड़ी जिज्ञासा के साथ महसूस किया है और यह जानने की कोशिश की है कि आखिर कोई देश इस अलौकिक सृष्टि में इतना कुदरती खज़ाने से भरपूर कैसे हो सकता है!

साथियों बात अगर हम इस वैश्विक सोच की करें तो हमारी जीत इस सोच के साथ ही हो जाती है कि हमारे देश के बारे में विश्व इतना सकारात्मक और जिज्ञासा से भरी बौद्धिक क्षमता से देख वह सोच रहा है। फिर सोने पर सुहागा है कि आज जिस तेजी के साथ हमारा देश प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा, कौशलता विकास, नवाचार, नवोन्मेष सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तरपर उपलब्धियों की झड़ी लगा रहा है उसे देखकर पूर्ण विकसित देश भी हैरान हैं! साथियों बात अगर हम वर्तमान में भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत को प्रोत्साहन देने और शासकीय स्तरपर लोगों को आगे आने की अपील करने की करें तो हम रोज़ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में देखते सुनते पढ़ते हैं कि माननीय उपराष्टपति, प्रधानमंत्री सहित अनेक बुद्धिजीवियों कला प्रेमियों द्वारा अपने अनेक संबोधनों में भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, भाषा, मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने और विलुप्तता से बचाने पर जोर दिया है हमारी भारतीय सभ्यता, परंपराओं, संस्कृति के विविध रंगों को सुरक्षित और कायम रखने के लिए उत्साहवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है जो काबिले तारीफ है। साथियों बात अगर हम इस डिजिटल इंडिया में भारतीय संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं के विभिन्न रंगों के संरक्षण और सुरक्षा की करें तो इसके हर रंग को जो मानवीय हस्तकला से संजोयित हैं, उन्हें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि सदियों तक हमारी अगली पीढ़ी भी इसके महत्व का मूल्यांकन कर सके और जब तक यह सृष्टि रहे तब तक हमारी भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत सुरक्षित रहे जो हमारा अनमोल खज़ाना और धरोहर है उसे हम यूं विलुप्त होने नहीं देंगे यह सोच आज हर भारतीय नागरिक के हृदय में समाना अत्यंत ज़रूरी है, खास करके हमारे युवा साथियों को इस परंपरा को आगे संरक्षित करना है क्योंकि आज भारत की 65 फ़ीसदी जनसंख्या युवा है।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा मन की बात कार्यक्रम में कहे गए अपने विचारों की करें तो उन्होंने भी इस अवसर पर भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, संगीत पर सार्थक हृदय से अपने विचार रखें जो तारीफ़ के काबिल है पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने हमेशा से दुनियाभर के लोगों को अपनी ओर खींचा है। अगर मैं आपसे कहूँ कि भारतीय संस्कृति, अमेरिका, कनाडा, दुबई, सिंगापुर, पश्चिमी यूरोप और जापान में बहुत ही लोकप्रिय है तो यह बात आपको बहुत सामान्य लगेगी, आपको कोई हैरानी नहीं होगी।

लेकिन, अगर ये कहूँ कि भारतीय संस्कृति का लेटिन अमेरिका और साउथ अमेरिका में भी बड़ा आकर्षण है, तो, आप एक बार जरुर सोच में पड़ जायेंगे। मैक्सिको में खादी को बढ़ावा देने की बात हो या फिर ब्राज़ील में भारतीय परम्पराओं को लोकप्रिय बनाने का प्रयास, मन की बात में हम इन विषयों पर पहले चर्चा कर चुके हैं। आज मैं आपको अर्जेंटीना में फहरा रहे भारतीय संस्कृति के परचम के बारे में बताऊंगा। अर्जेंटीना में हमारी संस्कृति को बहुत पसंद किया जाता है। 2018 में, मैंने, अर्जेंटीना की अपनी यात्रा के दौरान योग के कार्यक्रम में ङ्क योगा फॉर पीस में हिस्सा लिया था। यहाँ अर्जेंटीना में एक संस्था है ङ्क हस्तिनापुर फाउंडेशन। आपको सुनकर के आश्चर्य होता है न, कहाँ अर्जेंटीना, और वहाँ भी, हस्तिनापुर फाउंडेशन। यह फाउंडेशन, अर्जेंटीना में भारतीय वैदिक परम्पराओं के प्रसार में जुटा है।

आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से वंचित लोगों को लाभ पहुंचाना

वन अर्थ वन हेल्थ के नारे को भारत का अपनाना स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह दृष्टिकोण सभी जीवित प्राणियों के लिए व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा पर जोर देता है, जिसमें मनुष्यों, जानवरों और पौधों को शामिल किया जाता है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने चिकित्सा उपचार को और अधिक सुलभ बनाने को प्राथमिकता दी है।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (ऐवी-पीएमजेऐवाई) 2018 में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक प्रमुख स्वास्थ्य सुरक्षा पहल है। इसका उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से वंचित वर्गों को व्यापक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करना है, जो उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करता है। इस पहल में गरीबी को कम करने, उत्पादकता बढ़ाने और सामाजिक इक्विटी को बढ़ावा देने के द्वारा देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में क्रांति लाने की क्षमता है।

ऐवी-पीएमजेऐवाई के मुख्य उद्देश्य: लाभार्थियों के लिए स्वास्थ्य सेवा पर आउट-ऑफ-पॉकेट व्यय के वित्तीय बोझ को कम करें। लाभार्थियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और सामर्थ्य बढ़ाएं। देश में स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणालियों की गुणवत्ता और दक्षता में सुधार करें। लाभार्थियों के लिए निवारक, प्रचार और उपचारात्मक स्वास्थ्य हस्तक्षेप को बढ़ावा देना।

ऐवी-पीएमजेऐवाई की मुख्य विशेषताएं:स्वास्थ्य कवरेज:यह कार्यक्रम माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपये सालाना का स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करता है, जिससे 12 करोड़ से अधिक परिवार (जनसंख्या का निचला 40त्न) लाभान्वित होते हैं।

मेडिकल पैकेज :1,949 व्यापक पैकेजों को शामिल करते हुए, इस योजना में विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों के लिए चिकित्सा और शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं को शामिल किया गया है, जिसमें कैंसर की देखभाल, कार्डियक केयर, न्यूरोसर्जरी, आर्थोपेडिक्स, बर्न प्रबंधन और मानसिक विकार शामिल हैं।

फंडिंग : ऐवी-पीएमजेऐवाई एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों सरकारों से धन प्राप्त किया जाता है, जिसे अधिकांश राज्यों के लिए 60:40 के अनुपात में वितरित किया जाता है, पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए 90:10, और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 100:0 बिना विधायिका के।

आईटी प्लेटफार्म : एक मजबूत आईटी प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए, यह योजना निर्बाध सेवा वितरण सुनिश्चित करती है, धोखाधड़ी को रोकती है, और इसमें लाभार्थी पहचान, अस्पताल के पैनल, लेनदेन प्रबंधन, दावा प्रबंधन और शिकायत निवारण जैसी विशेषताएं शामिल हैं।

अस्पताल नेटवर्क : राष्ट्रव्यापी 27,000 से अधिक पैनल वाले अस्पतालों के नेटवर्क के साथ, आधे से अधिक निजी होने के कारण, यह योजना प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।

पोर्टेबिलिटी : अंतरराज्यीय पोर्टेबिलिटी लाभार्थियों को किसी भी राज्य में एबी-पीएमजेएवाई कार्यक्रम के साथ सेवाओं का लाभ उठाने की अनुमति देती है, विशेष रूप से आपात स्थिति में प्रवासियों की सहायता करती है।

आरोग्य मित्र : समर्पित प्रधानमंत्री आरोग्य मित्र (पीएमएएम) अपनी योजना यात्रा में लाभार्थियों की सहायता करते हैं, सत्यापन, पंजीकरण, पूर्व-प्राधिकरण और दावा प्रस्तुत करने जैसे कार्यों को संभालते हैं।

निगरानी और मूल्यांकन : यह योजना एक निगरानी और मूल्यांकन तंत्र को नियोजित करती है, जो वास्तविक समय की ट्रैकिंग के लिए सार्वजनिक डैशबोर्ड के साथ पारदर्शिता सुनिश्चित करती है। लाभार्थी विवरण गोपनीयता से समझौता किए बिना प्रकाशित किए जाते हैं, और अनाम दावा प्रसंस्करण लागू किया जाता है।

धोखाधड़ी विरोधी उपाय : नेशनल एंटी-फ्रॉड यूनिट और राज्य-स्तरीय एंटी-फ्रॉड इकाइयां संभावित धोखाधड़ी का पता लगाने, जवाबदेही बनाए रखने के लिए ऑडिट करने के लिए ऐआई और एमएल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करती हैं। धोखाधड़ी या कदाचार के लिए 210 से अधिक अस्पतालों को डी-पैनल किया गया है।

कॉल सेंटर : एक कॉल सेंटर डिस्चार्ज के 48 घंटों के भीतर उपचार की मात्रा और गुणवत्ता की पुष्टि करता है और प्रत्येक लाभार्थी के लिए पूर्वानुमान का आकलन करने के लिए 15 दिनों के बाद इसका अनुसरण करता है।

मूल्यांकन : आयुष्मान भारत और जन औषधि योजना कल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं ने केवल 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया है, जिससे मुख्य रूप से निम्न और मध्यम आय के रोगियों को लाभ हुआ है। आयुष्मान भारत के कार्यान्वयन ने न केवल नए अस्पतालों की मांग को बढ़ाया है, बल्कि अतिरिक्त अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के अवसर भी पैदा किए हैं। इसके अलावा, इसने तकनीकी रूप से संचालित, समग्र स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को उत्प्रेरित किया है। इन पुनर्जीवित स्वास्थ्य प्रयासों ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की क्षमता को काफी बढ़ा दिया है, जो भविष्य में 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, बशर्ते निजी क्षेत्र और चिकित्सा शिक्षा के बीच प्रभावी सहयोग हो। सक्रिय उपाय करते हुए, भारत अब न केवल उपचार बल्कि समग्र कल्याण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। स्वतंत्रता के बाद से एक एकीकृत, दीर्घकालिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण की ऐतिहासिक कमी से प्रस्थान करते हुए, वर्तमान दृष्टिकोण एक संपूर्ण सरकारी रणनीति की वकालत करता है, जो अकेले स्वास्थ्य मंत्रालय की सीमाओं से परे है। यह एक फॉरवर्ड-लुकिंग परिप्रेक्ष्य का संकेत देता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप , 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1 , एमपी नगर , भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साई दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार , मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांकः- MPHIN/2013/52452

अनुशासन के साथ करें मेहनत, कलेक्टर चौहान बोलीं, आप भी बन सकती हैं कलेक्टर और एसपी

एमएलबी कन्या स्कूल में मनाए गए प्रवेशोत्सव में बालिकाओं का पुष्पाहारों से किया स्वागत

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

स्कूल चलें अभियान के तहत अप्रैल माह के पहले दिन ग्वालियर जिले के सरकारी स्कूलों में भी प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुए। मुरार स्थित शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रवेशोत्सव में पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल एवं कलेक्टर रुचिका चौहान शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय की नव प्रवेशी बालिकाओं का पुष्पाहारों से स्वागत कर उन्हें पाठ्य पुस्तकों के सैट सौंपे।

पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल ने इस अवसर पर छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि लक्ष्य निर्धारित करें और आत्मविश्वास रखकर लक्ष्य प्राप्ति के लिये कड़ी मेहनत करें। ऐसा करने से सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि ऊँचे सपने देखो और उन्हें हासिल करने के लिये अनुशासन के साथ प्रयास करें। कलेक्टर रुचिका चौहान ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि लगन, मेहनत व समय का सदुपयोग कर आगे बढ़ेंगे तो निश्चित ही आप सब में से कोई आगे चलकर ग्वालियर का कलेक्टर व एसपी बन सकता है। उन्होंने सफलता के मंत्र बताते हुए कहा कि समय का सदुपयोग सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए प्रतिदन सायंकाल आत्म मंथन करें कि आज हमने अपने समय का कहां-कहां उपयोग किया और पढ़ाई में समय का इससे बेहतर उपयोग कैसे कर सकते हैं। चौहान ने कहा कि प्रशासन, चिकित्सा, कानून, पत्रकारिता, उद्यमिता, कला, वैज्ञानिक इत्यादि क्षेत्रों में से अपना लक्ष्य चुनें और उसे हासिल करने के लिये प्राणपण से जुट जाएँ। कलेक्टर चौहान ने आह्वान किया कि सभी छात्रायें यह संकल्प लें कि पिछली साल हमने पढ़ाई के लिये जो मेहनत की थी, उससे दोगुनी मेहनत मौजूदा साल में करेंगे। साथ ही गुरुजनों से अपनी शंकाओं व प्रश्नों का समाधान प्राप्त करने में झिझकें नहीं, उनसे खुलकर सवाल पूछें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ कुछ समय अपने शरीर की मजबूती के लिये व्यायाम व खेलों के लिये भी निकालें। इससे शरीर दिनभर ऊर्जावान रहेगा और आप सब पढ़ाई भी ठीक ढंग से कर सकेंगे। चौहान ने यह भी कहा कि अपने गुरुजनों व माता-पिता के प्रति सदैव सम्मान का भाव रखें। यदि टीचर किसी बात को लेकर डाँटें तो बुरा न मानें, इसे सकारात्मक रूप में लेकर अपनी कमियाँ सुधारने का प्रयत्न करें। आरंभ में अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार, सहायक संचालक स्कूल शिक्षा पुष्पा ढोंड़ी, राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल से आए आशीष भारती तथा विद्यालय के शिक्षकगण व विभिन्न कक्षाओं की बालिकायें मौजूद थीं।

स्कूल चलें हम अभियान के तहत जिले में 2 अप्रैल को होंगे भविष्य से भेंट कार्यक्रम

स्कूलों में बच्चों का मार्गदर्शन करने पहुँचेंगे जनप्रतिनिधि

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिन 2 अप्रैल को ग्वालियर जिले के सरकारी स्कूलों में भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित गणमान्य नागरिक प्रेरक के रूप में स्कूलों में पहुँचकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, जिला प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। आमंत्रित अतिथिगण स्कूलों में उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियाँ सुनायेंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वैच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएँ भेंट कर सकेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरू भविष्य से भेंट के तहत शासकीय कन्या पद्मा राजे उमावि कम्पू, रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव श्री नवल शुक्ला शासकीय गजराराजा कन्या उमावि कम्पू, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी गायत्री गुर्जर व सुश्री स्नेहलता चंदेल शासकीय कन्या महारानी लक्ष्मीबाई उमावि मुरार, इंडियन मेडीकल एसोसिएशन की सचिव स्नेहलता दुबे शासकीय उत्कृष्ट उमावि क्र.-1 मुरार, इंडियन मेडीकल एसोसिएशन के डॉ. अरविंद मित्तल शासकीय बालक उमावि क्र.-2 मुरार, शिक्षक ललित कला संकाय निहारिका सिंघल व श्री ओ पी माहौर शासकीय सीएम राइज कन्या उमावि किलागेट रोड, वरिष्ठ पत्रकार एनडीटीवी श्री देव श्रीमाली शासकीय सीएम राइज पटेल उमावि हजीरा एवं संपादक पीपुल्स समाचार श्री अर्पण राउत शासकीय बालक उमावि गोरखी में बच्चों का मार्गदर्शन करने पहुँचेंगे।

मंत्री राकेश सिंह ने फीता काटकर कला वीथिका में प्रदर्शनी का शुभारंभ किया

अन्य जिलों से आये कलाकारों ने मूर्ति, चित्र एवं पोस्टर प्रदर्शनी लगाई

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने भंवरताल पार्क के पास स्थित हीरालाल राय कला वीथिका का फीता काटकर शुभारंभ किया। मां नर्मदा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा आयोजित कला संगम में जबलपुर सहित प्रदेश के अन्य जिलों से आये कलाकारों ने मूर्ति, चित्र एवं पोस्टर प्रदर्शनी लगाई। इस अवसर पर मंत्री सिंह ने कहा कि एक कलाकार बहुत भावुक होता है। चित्र कला कलाकार की भावनाओं की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति होती है। इस प्रकार की प्रदर्शनियों से लोगों की अपेक्षा होती है कि वे कलाकार की भावनाओं को समझें। उन्होंने कहा कि कला प्रदर्शनी में लगे सभी पेंटिंग्स बहुत सराहनीय है। इसके लिए उन्होंने सभी कलाकारों को बधाई व शुभकामनाएं दी। मंत्री सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश के सबसे बड़े फ्लाई ओव्हर पूर्णत: की ओर है, जिसका लोकार्पण आने वाले समय में किया जायेगा। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त किया कि फ्लाई ओव्हर को लेकर नागपुर की तरह यहां भी कला प्रदर्शनी की जा सकती है।

पुस्तक विक्रेता अपना दिल बड़ा रखकर आगामी मेले में और अधिक छूट प्रदान करें : मनोज खत्री

दस दिवसीय पुस्तक मेले का हुआ समापन, पुस्तक विक्रेता बोले अगले मेले में देंगे और अधिक छूट

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

पिछले दस दिनों से मेला स्थित शिल्प बाजार परिसर में आयोजित हो रहे पुस्तक मेले का सोमवार की देर शाम समापन हुआ। पुस्तक मेले की आखिरी शाम संभाग आयुक्त मनोज खत्री भी पहुँचे और पुस्तक मेले का जायजा लिया। उन्होंने पुस्तक विक्रेताओं एवं ग्वालियर डिवीजन चिल्ड्रन बुक सेलर एसोसिएशन के पदाधिकारियों से कहा कि वे अपना दिल बड़ा रखें और अगले मेले में अभिभावकों को अधिक से अधिक डिस्काउंट प्रदान करें। संभाग आयुक्त ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप इस साल जिला प्रशासन द्वारा पुस्तक मेले का जो सिलसिला शुरू किया गया है वह आगे भी जारी रहना चाहिए। खत्री ने पुस्तक मेले में जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिये जिला प्रशासन द्वारा स्थापित किए गए बुक बैंक की भी सराहना की। दस दिवसीय पुस्तक मेला सार्थक सिद्ध हुआ है। मेले में लगभग 18 हजार अभिभावकों व उनके बच्चों ने पुस्तकें, स्टेशनरी व यूनीफॉर्म की खरीददारी की। पुस्तक मेले में लगभग 2 करोड़ 63 लाख रूपए की पाठ्य सामग्री व स्कूल ड्रेस इत्यादि की बिक्री हुई है।

इस अवसर पर कलेक्टर रुचिका चौहान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार, संयुक्त कलेक्टर संजीव जैन, जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार, पुस्तक मेला आयोजन से जुड़े अन्य संबंधित अधिकारी एवं ग्वालियर डिवीजन चिल्ड्रन एसोसिएशन के पदाधिकारी व पुस्तक विक्रेता मौजूद थे।

आमजन के लिए सिविल हॉस्पिटल हजीरा में सीटी स्कैन की सुविधा राम नवमी के बाद से प्रारम्भ हो जाएगी : तोमर

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न तोमर ने किया सिविल अस्पताल हजीरा का निरीक्षण

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सिविल अस्पताल हजीरा की व्यवस्थाओं और साफ-सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने उपचाररत रोगियों से स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा वृद्ध महिला रोगीयों के पैर दबाकर आशीर्वाद लिया। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कैलाशवासी देवेन्द्र सिंह तोमर की स्मृति में सीटी स्कैन की सुविधाओं की ट्रायल पदस्थ चिकित्सकों के माध्यम से हुई और तीन मरीजों ने सीटी स्कैन सुविधाओ का लाभ लिया, जिनमें मस्तीष्क, कंधे और घुटने की समस्याओं के मरीज शामिल थे। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि जल्द ही आम जन के लिए सीटी स्कैन की सुविधाओं का लाभ रामनवमी के बाद से आम जन सिविल हॉस्पीटल हजीरा में ले सकेंगे। इसके साथ ही ऊर्जा मंत्री तोमर ने आज सिविल हॉस्पीटल के चिकित्सको के साथ बैठक भी की। ऊर्जा मंत्री तोमर ने बैठक में कहा कि सिविल अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती मरीजों को सभी चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जाये और हजीरा सिविल हॉस्पीटल में किचिन व्यवस्था को लेकर जो असुविधा है उसको तत्काल दुरस्त किया जाये।

जिले के 5 और पेट्रोल पंपों पर 7 शक्ति दीदियां संभालेंगीं फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी

कलेक्टर, एसपी पेट्रोल पंपों पर पहुँचकर करेंगे शक्ति दीदियों का उत्साहवर्धन

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

ग्वालियर जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप महिला सशक्तिकरण की दिशा में शक्ति दीदी के नाम से हुई प्रेरणादायी पहल से जरूरतमंद महिलाओं को लगातार सहारा मिल रहा है। जरूरतमंद महिलाओं को पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में जिला प्रशासन द्वारा नौकरी दिलाई जा रही है। बुधवार 2 अप्रैल को शक्ति दीदी पहल के तहत 7 और जरूरतमंद महिलाओं को फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी मिलने जा रही है। ज्ञात हो शक्ति दीदी के तहत पहले से ही शहर में 28 महिलाएं यह भूमिका सफलतापूर्वक निभा रही हैं। बुधवार को 7 और महिलाओं के जुड़ जाने से जिले में शक्ति दीदियों की संख्या 35 हो जायेगी। कलेक्टर रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी विभिन्न पेट्रोल पंपों पर पहुँचकर महिलाओं को शक्ति दीदी के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी दिलायेंगे। साथ ही उनका उत्साहवर्धन करेंगे। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक 2 अप्रैल को प्रातः 11.30 बजे सचिन तेंदुलकर मार्ग पर डीबी सिटी के सामने स्थित साँई हरीलीला पेट्रोल पंप पर सु भावना बघेल व सु मोहिनी मंडेलिया एवं दोपहर 12 बजे नवीन जिला पंचायत के पास स्थित वैश्य एण्ड मुखर्जी पेट्रोल पंप पर सु रजनी नामदेव को फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपेंगे। इसी तरह जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार व एसडीएम डबरा दिव्यांशु चौधरी डबरा स्थित विजय डीलक्स पंप पर सु गांधारी बाथम व सु खुशी सुबानी एवं एसडीएम दिव्यांशु चौधरी डबरा में ही पारशनाथ फिलिंग पेट्रोल पंप पर सु सीमा शाक्य को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपेंगे।

बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कारों के समावेश से जागृत होता है समाज : विधायक तिवारी

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

जिला प्रशासन द्वारा गोलबाजार स्थित शहीद स्मारक प्रांगण में आयोजित किए जा रहे बारह दिवसीय पुस्तक एवं गणवेश मेला में आज मंगलवार को बड़ी संख्या में बच्चों और अभिभावकों ने पहुंचकर रियायती दरों पर पुस्तक, कॉपी एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री की खरीददारी की तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों आनंद लिया और स्वादिष्ट व्यंजनों का जायका भी लिया।

पुस्तक मेला के आठवें दिन आज सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन विधायक सुशील तिवारी इंदु के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी भी उपस्थित रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में संभागीय बाल भवन के बाल कलाकारों द्वारा दी गई विभिन्न प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विधायक सुशील तिवारी इंदु ने पुस्तक मेला के आयोजन को जिला प्रशासन का सराहनीय कदम बताया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के अथक प्रयासों से आयोजित इस पुस्तक मेले में आकर बच्चे और अभिभावक उत्सुक और प्रसन्न दिखाई दे रहे हैं। पुस्तक मेला के आयोजन ने जबलपुर को गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान किया है। विधायक तिवारी ने कहा कि जबलपुर के पुस्तक मेले के आयोजन की गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है।

भगवान झूलेलाल के आदर्श व उनके मार्गदर्शन हमेशा प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं, सिंधी केवल एक भाषा ही नहीं, बल्कि भारत के समृद्धि की ताकत

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह विभिन्न धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हुए

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह आज विभिन्न धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। जिनमें भूकम्प कॉलोनी में राम कथा, गोल बाजार कछियाना रोड में एक सामाजिक कार्यक्रम में भी शामिल हुए। मानस भवन में चेट्रीचंड्र महोत्सव में शामिल होकर उन्होंने कहा कि ऐसी मान्यता है चैत्र मास के प्रथम दिन व चेट्रीचंड्र से सृष्टि का आरंभ हुआ है। भगवान झूलेलाल के आदर्श तथा उनके मार्गदर्शन हमेशा प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं। मंत्री सिंह ने भगवान झूलेलाल के चरणों को शत- शत नमन करते हुए कहा कि सिंधी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारत के समृद्धि की ताकत है। इतिहास के भीषण अत्याचार सहने के बाद भी इस समाज ने अपनी संस्कृति को बचा कर रखा। इसलिए आज अन्य समाजों की भांति सिंधी समाज भी एक आदर्श है। उन्होंने कहा कि वे सिंधी समाज के बहुत ऋणी है क्योंकि उन्होंने उसे बहुत सिखाया है। सिंधी भाषा आज पूरी दुनिया में जहां- जहां है, उसे जीवंत बनाकर सिंधी समाज एक अपनी पहचान बनाये रखा है। यह समाज सिर्फ समृद्ध ही नहीं बल्कि दूसरों को रोजगार देने का एक महत्वपूर्ण काम भी किया है। इस अवसर पर अशोकानंद महाराज और विधायक रोहाणी ने भी सिंधी भाषा में समारोह को संबोधित कर सभी को चेट्रीचंड्र महोत्सव की शुभकामनाएं दी। मंत्री सिंह धार्मिक कार्यक्रमों के तारतम्य में रामपुर में माता की चौकी, ग्वारीघाट वैशाली परिसर व सुखसागर में चेट्रीचंड्र महोत्सव में भाग लेकर मदन महल राम मंदिर में आयोजित राम कथा कार्यक्रम में शामिल हुए। मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, रत्नेश सोनकर, अभय सिंह, पंकज दुबे, करतार सिंह बटीजा सहित सिंधी समाज के कई गणमान्य नागरिक व श्रद्धालु उपस्थित थे।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

सेडमैप द्वारा छात्राओं के उद्यमिता विकास एवं कौशल उन्नयन का द्वितीय बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)। उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश (सेडमैप) द्वारा छात्राओं के उद्यमिता विकास एवं कौशल उन्नयन केलिए द्वितीय बैच प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 17 मार्च 2025 से 29 मार्च 2025 तक किया। प्रशिक्षणकार्यक्रम का समापन आज मंगलवार को किया गया। समापन समारोह में जनभागीदारी अध्यक्ष सुमन सोनी के मुख्य आतिथ्य और महाविद्यालय प्राचार्य नीता पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 72 छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्तमान समय में महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं को आवष्यकता है कि उद्यमिता के विषय में जानकारी प्राप्त करें। उद्यमिता को समझें और अपने पाठ्यक्रम में शामिल उद्यमीय प्रोजेक्ट्स को कुशलता से स्वयं तैयार कर सकें। उनके पास नौकरी के साथ एक और विकल्प हो अपना उद्योग स्थापित करने का। साथ ही वे अपनी स्किल का विकास कर कोई नया हुनर भी सीखें। इसी उद्देश्य को मूर्त रूप देने हेतु इस कार्यक्रम को डिजाईन किया गया था।

विनीता ने शिक्षा के क्षेत्र में प्राप्त सुविधाओं के प्रति संतुष्टि व्यक्त की

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा विदिशा जिले में शैक्षणिक क्षेत्र में किये जा रहे नवाचार और सुविधाएं फलीभूत हो रही हैं, स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के अभिभावक स्वयं आगे आकर विद्यालय की शिक्षण प्रणाली पर अपनी संतुष्टि व्यक्त कर रहे हैं। ष्शाला में पहला कदम अभियानष् अंतर्गत सीएम राइज विद्यालय बरईपुरा, विदिशा में आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में दूसरी कक्षा की छात्रा कनक चैरसिया की मां श्रीमती विनीता चैरसिया ने विद्यालय प्रबंधन व प्रशासकीय प्रणाली पर संतुष्टि जाहिर करते हुए अपने अनुभव सांझा किये हैं। दूसरी कक्षा की छात्रा कनक चैरसिया की मां श्रीमती विनीता चैरसिया ने कार्यक्रम में मंच से ही अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि इस शासकीय विद्यालय में निजी विद्यालयों की तर्ज पर सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

100 साल पुरानी सिरोंज की चेतन बावड़ी का जीर्णोद्धार हुआ

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)। विदिशा जिले में जल संरक्षण की दिशा में अनूठे कार्य हो रहे हैं। प्रदेश व्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान से सिरोंज विकासखंड की प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई कर पुनरुद्धार के कार्यों का संपादन आज जिला प्रशासन के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद सिरोंज के द्वारा किया गया है, ताकि इस बावड़ी के माध्यम से संरक्षित किया गया जल आस-पास के क्षेत्र में पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कर सके। सिरोंज के रोल पुरा इलाके में स्थित चेतन बावड़ी अति प्राचीन बावड़ियों में शामिल है जो कि 100 वर्ष पुरानी बावड़ी है। शहर से सटे इलाके में स्थित यह बावड़ी पानी की पूर्ति करने का एक अच्छा माध्यम है, परंतु बावड़ी के आसपास फैली गंदगी व कचरे के कारण इस बावड़ी का पानी पीने योग्य नहीं था। लेकिन आज जल गंगा संवर्धन अभियान तहत जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रयासों से इस बावड़ी का जीर्णोद्धार हुआ है। बावड़ी को साफ-स्वच्छ करने के कार्यों का संपादन जन सहयोग से किया गया है। जिसमें अधिकारी, कर्मचारी और आसपास के क्षेत्र के नागरिक भी श्रमदान में शामिल हुए।

बुक बैंक में दान में आईं पुस्तकें शिल्प बाजार में बने काउण्टर से निःशुल्क वितरित होंगीं

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए पुस्तक मेले में स्थापित बुक बैंक में अभिभावकों ने अपने बच्चों की पिछले साल की पुस्तकें दान में दी हैं। नर्सरी से लेकर बारहवीं कक्षा तक की विभिन्न पुस्तकें इस बैंक में उपलब्ध हैं। बुक बैंक में उपलब्ध पुस्तकें ऐसी संस्थाओं व समाज सेवियों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जायेंगीं जो विभिन्न मलिन बस्तियों या अन्य स्थानों पर अनौपचारिक कक्षायें चलाकर बच्चों को पढ़ाने का काम कर रहे हैं। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर जरूरतमंद अभिभावक व बच्चे भी ये पुस्तकें निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। मेला स्थित शिल्प बाजार परिसर में 6 अप्रैल तक दोपहर 2 बजे से रात्रि 9 बजे तक की अवधि में यह पुस्तकें प्राप्त की जा सकती हैं। निःशुल्क पुस्तकें प्राप्त करने के लिये बुक बैंक के नोडल अधिकारी श्री सर्वेश दीक्षित से मोबाइल फोन नं. 942547078 पर संपर्क किया जा सकता है।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 107 लोगों की समस्याओं की हुई सुनवाई

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई जन-सुनवाई में 107 लोगों की समस्यायें सुनी गई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार, अपर कलेक्टर कुमार सत्यम, एडीएम टी एन सिंह तथा संयुक्त कलेक्टर सुरेश कुमार बरहादिया व संजीव जैन सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने एक ङ्क एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। जन-सुनवाई में प्राप्त हुए 107 आवेदनों में से 49 दर्ज किए गए। शेष 58 आवेदन संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को सीधे ही निराकरण के लिये दिए गए। सभी अधिकारियों को समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम को दिए गए।जनसुनवाई में मदद की आस में पहुँचे जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम भी कराया।

खाद्यान्न वितरण में ग्वालियर प्रदेश के अग्रणी जिलों में

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। उचित मूल्य की दुकानों से पात्रता पर्चीधारी उपभोक्ताओं को खाद्यान्न वितरित करने मे ग्वालियर जिला प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल है। लगातार पाँचवे महीने में ग्वालियर जिला खाद्यान्न वितरण में प्रदेश में तीसरे स्थान पर आया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने खाद्यान्न वितरण व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को और प्रयास कर जिले को पहले स्थान पर लाने के निर्देश दिए। मार्च माह में जिले का खाद्यान्न वितरण 97.45 प्रतिशत रहा है। जिले में 2 लाख 83 हजार 286 पात्र परिवार है। इनमें से 2 लाख 76 हजार 80 परिवारों को मार्च माह में उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया है।

6 दिन बाद लापता व्यवसायी की मिली लाश, पुल के ऊपर मिले जूते-बाइक, परिवार बोले- हो नहीं सकता

पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है, सोमवारी बाजार निवासी दीपक राठौर की लाश से मचा हड़कंप

कोरबा (एजेंसी)।

दीपका थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवारी बाजार निवासी दीपक राठौर पिछले छह दिनों से लापता था। दीपक राठौर फेरी लगाकर और गांव-गांव या फिर बाजार में जाकर गैस चूल्हा रिपेयरिंग का काम और खरीदी बिक्री का व्यवसाय करता था। बताया जा रहा है कि 25 तारीख की सुबह घर से रोज की तरह काम करने के लिए निकला हुआ था। लेकिन वह घर वापस नहीं आया। इसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना दीपका थाना पुलिस को गुमशुदगी दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही शुरू की। जहां परिजनों ने अपने रिश्तेदारों और आसपास के लोगों के यहां उसकी खोज भी शुरू की। लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। कुछ दिन पहले जिले के सरहदी क्षेत्र एवं मोरगा चौकी के अंतर्गत अंबिकापुर-चोटिया एनएच-130 मार्ग पर केंदई के पास स्थित हसदेव नदी पुराने पुल पर लावारिस हालत में एक बाइक मिली। यह बाइक लापता दीपक राठौर का होने की पुष्टि हुई। जानकारी के अनुसार, 29 मार्च को शाम करीब 6 बजे ग्राम नवापारा निवासी इरफान खान एवं उसका साथी पंच समारु लाल नदी की ओर घूमने गये थे कि उन्हें पुल के ऊपर नीले रंग की एक मोटरसाइकिल प्लैटिना क्रमांक सी जी 12 बी एम 7539 नजर आई। बाइक में गैस चूल्हा बनाने के औजार एवं अन्य सामान बंधा हुआ था। जैसे किसी फेरीवाले की गाड़ी हो। सड़क पर पानी का बाटल और एक जोड़ी जूता, मोजा पास में पड़ा देखा गया। आस पास किसी का अता-पता नहीं था। काफी देर तक आसपास उक्त बाइक वाले के बारे में जानने की कोशिश की गई, लेकिन सूने इलाके में कोई नजर नहीं आया। इसकी जानकारी मोरगा चौकी पुलिस को सूचना दी गई। इस बीच चोटिया टोल प्लाजा के सीसीटीवी को देखने पर उक्त बाइक में वह व्यक्ति 26 मार्च को दोपहर 3=12 बजे अंबिकापुर की ओर अपने मोटरसाइकिल से जाते हुए दिखा है। इसके बाद उसका कुछ पता नही चल सका। मंगलवार की सुबह ग्रामीण जब नदी की तरफ गए। इस दौरान लाश पर नजर पड़ी और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। जहां मौके पर पहुंचे जांच शुरू की गई और उनके परिजनों को बुलाया गया। जहां उन्होंने पहचान की। दीपक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया है। यह परिजनों के भी समझ से परे है। उसके तीन बच्चे और एक पत्नी है। मूलत अप का रहने वाला था। मोरगा चौकी प्रभारी मंगतू राम ने बताया कि परिजनों का बयान दर्ज किया जा रहा है। वही प्रथम दृष्टि आत्महत्या करना प्रतीत हो रहा है।

लगातार एक के बाद एक चुनाव में हार मिलने से कांग्रेस बौखलाई

सीएम विष्णुदेव साय बोले : उलूल-जुलूल बयान दे रहे कांग्रेसी

रायपुर (एजेंसी)।

"लगातार एक के बाद एक हार मिलने से कांग्रेस बौखलाई हुई है। विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव, उपचुनाव व नगरीय नगरी निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में हार मिलने से कांग्रेसी बौखलाये हुए हैं। पंचायती चुनाव में तो कांग्रेस पूरी तरह से क्लीन स्वीप हो गई। ये बातें छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने मंगलवार को रायपुर के महिला थाना चौक (मधुसूदन दास चौक) में ओडिशा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि बौखलाहट में कांग्रेसी कुछ भी उलूल-जुलुल बोल रहे हैं। बीजेपी शासन काल में नक्सलियों के पनपने के कांग्रेस के सवाल पर पलटवार करते हुए सीएम साय ने कहा कि यह पूरा छत्तीसगढ़ और देश जानता है कि किसके राज्य में नक्सली फले-फूले और किसके राज्य में नक्सलियों के साथ मजबूती से लड़ाई लड़ी जा रही है। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बैरिस्टर मधुसूदन दास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सादर नमन करते हुए सीएम ने उत्कल समाज और ओडिशावासियों को ओडिशा दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिवस केवल ओडिशा के गठन का उत्सव नहीं, बल्कि संघर्ष, आत्मगौरव और सांस्कृतिक एकता की प्रेरणा है। छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में उत्कल समाज के लोग रहते हैं, जो प्रदेश की सामाजिक समरसता और विविधता को सशक्त बनाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बैरिस्टर मधुसूदन दास जैसे दूरदर्शी और समर्पित व्यक्तित्व के संघर्षों के कारण ही एक अप्रैल 1936 को ओडिशा राज्य का गठन हुआ था। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच सदियों से सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध रहे हैं। महाप्रभु जगन्नाथ को चढ़ने वाला भोग का चावल आज भी छत्तीसगढ़ से जाता है। विशेष रूप से देवभोग क्षेत्र का चावल, जो प्रभु के प्रसाद के रूप में उपयोग होता है। दोनों राज्यों के धार्मिक जुड़ाव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने महाप्रभु श्री जगन्नाथ से छत्तीसगढ़वासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद हमेशा छत्तीसगढ़ पर बना रहेगा। इस अवसर पर विधायक किरण देव, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक सुनील सोनी, श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, संजय श्रीवास्तव, उत्कल समाज के सदस्य आदि मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधि की दबंगई, घर में घुसकर बुजुर्ग से की मारपीट

आहत किसान ने जहर खाकर की आत्महत्या

भाटापारा (एजेंसी)।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की दबंगई के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला कसडोल थाना क्षेत्र के ग्राम कटगी से सामने आया है, जहां जिला पंचायत सदस्य के पति विमल देवांगन ने एक बुजुर्ग किसान के घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की। मारपीट से दहशत में आए बुजुर्ग किसान ने जहर खा लिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। उपचार के दौरान किसान की मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी विमल देवांगन को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है। गौरतलब है कि बलौदा बाजार जिले में हाल ही में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मनमानी के कई मामले सामने आए हैं। कुछ दिन पहले ग्राम सुहेला में तहसीलदार के दुर्व्यवहार के कारण एक किसान ने आत्महत्या करने की कोशिश की थी। इसके अलावा, एक पटवारी का रिश्वत लेते वीडियो भी वायरल हुआ था। अब जनप्रतिनिधियों की दबंगई का यह नया मामला सामने आया है, जिससे जिले में आक्रोश व्याप्त है। इस तरह की घटनाओं से किसानों में भय और असुरक्षा का माहौल बनता जा रहा है।

मां दंतेश्वरी का दर्शन करेंगे अमित शाह, बस्तर पंडुम में लोकल नेताओं के साथ करेंगे लंच, रायपुर में लेंगे बैठक

चार अप्रैल की शाम या रात तक रायपुर पहुंचेंगे, पांच अप्रैल को दंतेवाड़ा जाएंगे

रायपुर (एजेंसी)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तीन दिन बाद छत्तीसगढ़ प्रवास पर आयेंगे। वे चार अप्रैल की शाम या रात तक रायपुर पहुंचेंगे। रायपुर में ही रात में ठहरेंगे। इसके बाद दूसरे दिन पांच अप्रैल को बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित जिले दंतेवाड़ा जाएंगे। वहां पर मां दंतेश्वरी का दर्शन करेंगे। इसके बाद बस्तर पंडुम के समापन में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में राज्यपाल रमेन डेका भी शामिल होंगे। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के पद्मश्री, नेशलन अवार्डी भी शामिल होंगे। प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि तीन से पांच अप्रैल तक होने वाले बस्तर पंडुम में सुकमा दंतेवाड़ा, नारायणपुर के दस-दस गांव के सरपंचों को बुलाया गया है, जो गृहमंत्री के साथ भोजन के बाद चर्चा करेंगे। उसके बाद केंद्रीय गृहमंत्री फोर्स के कमांडर्स के साथ बैठक लेंगे। फिर वापस रायपुर में आकर प्रशासनिक बैठक लेंगे। इसमें फोर्सेस प्रमुख और इंटेलिजेंस भी शामिल होंगे। इस बैठक के बाद शाह दिल्ली रवाना हो जाएंगे। गृहमंत्री शर्मा ने बताया कि बस्तर पंडुम में फेमस कवि कुमार विश्वास भी आएंगे। वे बस्तर के राम अनुपम कथा सुनाएंगे। बता दें कि वनवास काल के दौरान भगवान राम बस्तर (उस समय दंडकारण्य) में कुछ समय तक जीवन व्यतीत किये थे। कई बड़े असुरों का अंत किये थे। दंडकारण्य क्षेत्र का रामायण काल में विशेष स्थान रहा है। भगवान राम ने अपने वनवास काल का कुछ समय दंडकारण्य के जंगलों में बिताया था। डॉ. विश्वास बस्तर क्षेत्र के परिपेक्ष्य में श्रीराम के महत्व पर अपनी राम कथा बस्तर के राम का वाचन करेंगे। विश्वास की वाणी में जब राम कथा की गूंज बस्तर की वादियों में फैलेगी तो इसमें सिर्फ शब्द नहीं बल्कि एक भावना होगी शांति, एकता और पुनर्जागरण की। इस आयोजन के माध्यम से बस्तर क्षेत्र में श्रीराम के प्रवास का स्मरण कर अपनी समृद्ध पौराणिक विरासत का अनुभव कर सकेंगे।

कवि कुमार विश्वास सुनाएंगे बस्तर के राम की अनुपम कथा

बस्तर पंडुम 2025 : दंतेवाड़ा में गूंजेगा भगवान राम का जयकारा

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तसीगढ़ के बस्तर संभाग में बस्तर पंडुम मनाया जा रहा है। इसमें फेमस कवि डॉ. कुमार विश्वास बस्तर के राम कथा सुनायेंगे। दंतेवाड़ा में तीन अप्रैल को शाम 6 बजे होने वाला यह कार्यक्रम बस्तर क्षेत्र में शांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के नए सोपान तय करेगा। तीन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने %बस्तर पंडुम 2025% को बस्तर की आत्मा से जुड़ा एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण बताते हुए कहा कि यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर की अस्मिता, आस्था और आकांक्षाओं का उत्सव है। उन्होंने कहा कि 'बस्तर के राम' जैसे कार्यक्रम बस्तर की धरती को आध्यात्मिक ऊर्जा से जोड़ते हैं और यह सिद्ध करते हैं कि विकास का सबसे सशक्त मार्ग संस्कृति और परंपरा से होकर जाता है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यह उत्सव बस्तर को वैश्विक सांस्कृतिक मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाएगा और हमारी जनजातीय परंपराएँ आने वाली पीढ़ियों के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। दंडकारण्य क्षेत्र का रामायण काल में विशेष स्थान रहा है। भगवान राम ने अपने वनवास काल का कुछ समय दंडकारण्य के जंगलों में बिताया था।

देश-विदेश

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

अमीर भारतीय विदेश में बसने की बना रहे है योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर पांच में से एक अमीर भारतीय स्थायी रूप से विदेश में बसने की योजना बना रहा है। इसके लिए वे विदेशी संपत्तियों में निवेश कर रहे हैं और वहां घर खरीद रहे हैं। इस बदलाव के पीछे प्रमुख कारण निवेश के बेहतर अवसर, टैक्स में छूट, वैश्विक कनेक्टिविटी और जीवनशैली की गुणवत्ता मानी जा रही है। कोटक महिंद्रा बैंक के प्राइवेट बैंकिंग डिवीजन ने भारत के 12 प्रमुख शहरों में रहने वाले 150 अमीरों का इंटरव्यू लिया। यह सर्वे 2024-25 के शुरुआती दो तिमाहियों यानी 1 अप्रैल 2024 से 30 सितंबर 2024 के बीच किया गया। खासतौर पर 300 करोड़ रुपये से अधिक नेटवर्थ वाले व्यक्तियों को इस अध्ययन में शामिल किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, अमीर भारतीयों का रुझान अब केवल घरेलू निवेश तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने निवेश को फैला रहे हैं। कई लोग विदेश में घर खरीदने को प्राथमिकता दे रहे हैं, जबकि कुछ अपने बच्चों की उच्च शिक्षा और बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए वहां संपत्तियां खरीद रहे हैं। सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, एक तिहाई से अधिक अमीर भारतीयों ने पहले ही विदेशों में संपत्तियों में निवेश किया है। इनमें से कुछ लोग खुद वहां बसने की योजना बना रहे हैं, जबकि कुछ केवल निवेश के मकसद से ऐसा कर रहे हैं।

इजरायली हमले में हिजबुल्लाह के सीनियर कमांडर हसन की मौत

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायली सेना का लेबनान पर हमला जारी है। बेंजामिन नेतन्याहू की सेना ने मंगलवार को बड़ा दावा कर बताया कि हवाई हमले में हिजबुल्लाह के सीनियर कमांडर हसन अली बदीर को मार गिराया है। इजरायली फौज बदीर की मौत को बड़ी सफलता मान रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, बदीर हिजबुल्लाह के साथ ईरान की कुद्स फोर्स का भी प्रमुख ऑपरेटर था। वह बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में रातभर के हमले में ढेर हुआ। यह हमला इजरायल की ओर से मिलिटेंट समूहों के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई का हिस्सा है। बदीर का कनेक्शन केवल हिजबुल्लाह तक सीमित नहीं था, बल्कि वह ईरान की कुद्स फोर्स का भी सक्रिय सदस्य था। कुद्स फोर्स ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का एक विशेष बल है, जो मुख्य रूप से ईरान के विदेशी ऑपरेशनों के लिए जिम्मेदार है।

ट्रंप के फैसलों को लेकर दुनिया ही नहीं अमेरिकन भी दहशत में

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका का दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से कई बड़े फैसले लिए हैं। अपने चुनावी वादे के मुताबिक अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने का फैसला सख्ती से लागू किया। अब चीन, कनाडा, मैक्सिको, ब्राजील और भारत सहित तमाम देशों से टैरिफ वॉर छेड़ने की भी ट्रंप ने तैयारी पूरी कर ली है। हालात ये हैं कि ट्रंप कब कौन सा फैसला कर लें, इसपर आशंकाओं का दौर जारी रहता है। ट्रंप के फैसलों से दुनिया ही नहीं बल्कि अमेरिका में भी हलचल मची हुई है। एक सर्वे में पता चला है कि 10 में से 7 अमेरिकी यानी दो तिहाई से ज्यादा लोग हमेशा खबरों पर नजर रखते हैं। ऐसा इसलिए ताकि पता चल सके कि ट्रंप ने अब कौन सा फैसला ले लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पी. सोमा सुंदरम को अनावश्यक व अनुचित याचिका दायर करने पर फटकार लगाई

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बेला त्रिवेदी और वकीलों के बीच हुई तीखी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बेला त्रिवेदी और वकीलों के बीच तीखी बहस हुई। यह विवाद तब खड़ा हुआ जब जस्टिस त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड (एओआर) पी. सोमा सुंदरम को एक आपराधिक मामले में अनावश्यक और अनुचित याचिका दायर करने पर फटकार लगा दी। वकीलों ने कोर्ट के आदेश को पूर्वनिर्धारित बताकर कड़ा विरोध जताकर कहा कि संपूर्ण बार (वकील संघ) पीड़ित वकील के साथ खड़ा है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट की पीठ को अपने एक आदेश में संशोधन करना पड़ा।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की अन्य धाराओं के तहत दर्ज एक अपराध से जुड़ा था। निचली अदालत ने आरोपी को आईपीसी की धारा के तहत दोषी मनाकर तीन साल की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट में अपील दायर की गई थी, इस अपील को 2023 में खारिज किया गया। इसके बाद, याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर कर हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देकर आत्मसमर्पण से छूट मांगी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मांग को खारिज कर दो सप्ताह में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। बावजूद इसके, याचिकाकर्ता ने फिर से विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर कर आत्मसमर्पण से छूट मांगी, इसपर अदालत ने कड़ी आपत्ति जाहिर की। सुनवाई के दौरान जब अधिवक्ता सुंदरम कोर्ट में पेश हुए, तब कोर्ट ने पाया कि याचिका में तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया है। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता के हस्ताक्षर मेल नहीं खा रहे थे और सभी कागजात पर सिर्फ अधिवक्ताओं के हस्ताक्षर थे।

कोर्ट के आदेश का कड़े शब्दों में विरोध कर अदालत को अपने आदेश को संशोधित करने के लिए मजबूर किया। सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के कई सदस्यों ने अदालत में फैसले पर सवाल उठाए। एक वकील ने कहा, उन्हें सुने बिना कैसे दोषी ठहरा सकते हैं? एक मौका मिलाना चाहिए। दूसरे वकील ने कहा, यह पूर्वनिर्धारित आदेश है, हम यही कह रहे हैं। इसके बाद वकीलों के कड़े विरोध के बाद कोर्ट ने अपने आदेश में संशोधन किया और याचिकाकर्ता तथा संबंधित अधिवक्ताओं को इस मामले में अपना स्पष्टीकरण देने का मौका दिया।"

देश के अंदर लाल आंतक 12 नहीं, अब सिर्फ 6 जिलों तक सिमट गया : शाह

31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद मुक्त होगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सल समस्या अब देश के 12 जिलों से घटकर सिर्फ छह जिलों में समिति रह गई है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार नक्सलवाद के प्रति निर्मम दृष्टिकोण और सर्वांगीण विकास के लिए अथक प्रयासों के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत का निर्माण कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। गृहमंत्री शाह ने लिखा, नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, आज हमारे राष्ट्र ने वामपंथी उग्रवाद से सर्वाधिक प्रभावित जिलों की संख्या को 12 से घटाकर मात्र 6 तक समित कर दिया है। भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्पित है। बीते दिनों शाह ने नक्सलवाद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन बताया था। उन्होंने कहा था कि मोदी सरकार नक्सलमुक्त भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है और 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलमुक्त होकर रहेगा। 31 मार्च 2026 के बाद देश में नक्सलवाद केवल इतिहास में गिना जाएगा, यह हमारा संकल्प है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने 30 मार्च को बीजापुर में 50 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने नक्सलियों के सरेंडर करने के फैसले का स्वागत कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीति स्पष्ट है कि जो भी नक्सली हथियार छोड़कर विकास का मार्ग अपनाएंगे, उनका पुनर्वास कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

जस्टिस वर्मा ने सभी आरोप नकारते हुए कहा कैश का सोर्स बताने का प्रश्न ही नहीं उठता

नगदी कांड : जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में कैश कांड का रहस्य बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में कैश कांड का रहस्य बरकरार है। आरोपों से घिरे जस्टिस वर्मा ने सभी आरोपों को सिरे से नकार दिया है। हालांकि इस मामले की चल रही जांच के तहत सुप्रीम कोर्ट ने जज से सीधे तौर पर तीन सवालों के जवाब तलब किए। पहला सवाल था कि जस्टिस वर्मा के घर में स्थित कमरे में मौजूद धन/कैश की उपस्थिति का हिसाब वह कैसे देते हैं? दूसरा सवाल था कि उक्त कमरे में पाए गए कैश का सोर्स बताएं? तीसरा अहम सवाल था कि वह व्यक्ति कौन है, जिसने 15 मार्च 2025 की सुबह कमरे से जले हुए नोट निकाले थे? जस्टिस वर्मा ने भी सुप्रीम कोर्ट के इन इन तीनों सवालों के सीधे जवाब दिए। पहले सवाल के जवाब में जस्टिस वर्मा ने लिखित रूप से कहा कि मुझे कभी भी घर के स्टोर रूम में पड़े किसी पैसे या नगदी के बारे में पता नहीं था। न तो मुझे और न ही मेरे परिवार के किसी भी सदस्य को कैश यानी नकदी के बारे में कोई जानकारी थी। न ही इसका मुझसे या मेरे परिवार से कोई संबंध है। मेरे परिवार के सदस्यों या कर्मचारीयों को जिस रात को आग लगी उस रात को ऐसी कोई मुद्रा या नकदी दिखाई नहीं गई। दूसरे सवाल का जवाब देते हुए जस्टिस वर्मा ने कहा कि पहले प्रश्न के जवाब से साफ तौर पर जाहिर है कि दूसरे प्रश्न का जवाब यानी कैश का सोर्स को स्पष्ट करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता।

पकड़ा गया खालिस्तानी आतंकी पन्नू का झूठ, एक चिट्ठी से सच हुई भारत की बात

गुरपतवंत सिंह ने अमेरिकी अदालत को बरगलाने की पूरी कोशिश की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिका में बैठकर भारत के खिलाफ आग उगलने वाला खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का झूठ पकड़ा गया। उसने अमेरिकी अदालत को बरगलाने की पूरी कोशिश की। उसने अजीत डोभाल के समन को लेकर झूठ बोला। मगर उसकी दाल नहीं गल पाई और झूठ पकड़ी गई।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू के वकील ने कोर्ट को एक चिट्ठी लिखी थी जिसके बाद अदालत ने ये प्रतिक्रिया दी है। इस चिट्ठी में खुलासा हुआ है कि जब आतंकी पन्नू के सर्वर (समन लेकर जाने वाला) ने ब्लेयर हाउस (जहां भारतीय प्रतिनिधिमंडल रुका था) के बाहर नोटिस देने की कोशिश की तो राष्ट्रपति के गेस्ट हाउस की सुरक्षा में तैनात अमेरिकी सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने उसे गिरफ्तार करने की धमकी दी। इसके बाद आतंकी पन्नू के सर्वर ने उस समन को पास के एक स्टारबक्स स्टोर पर ही छोड़ दिया, जो कोर्ट के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुआ। अमेरिकी अदालत ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी के साथ 12-13 फरवरी को अमेरिका दौरे पर आए एनएसए अजीत डोभाल को समन की तामील नहीं हो पाई थी। अदालत ने खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें उसने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को समन यानी नोटिस भेजने का दावा किया था।खबरों के मुताबिक, उस खत की समीक्षा करने के बाद न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के एक जज ने कहा, 'शिकायत अथवा समन होटल प्रबंधन या कर्मचारियों के किसी सदस्य या प्रतिवादी (अजीत डोभाल) के लिए सुरक्षा प्रदान करने वाले किसी अधिकारी या एजेंट को नहीं दी गई थी, जैसा कि अदालत के आदेश में आवश्यक था।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और गुजरात टाइटंस में आज होगी जबरदस्त भिड़ंत

आरसीबी ने अभी तक सभी मैच जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है

बेंगलुरू (एजेंसी)।

आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) का मुकाबला यहां अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। इसका कारण है कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं इसके अलावा इस सत्र में उसने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नये कप्तान रजत पाटीदार की कप्तानी में उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अच्छे फार्म में हैं। आरसीबी ने कोलकाता के ईडन गार्डंस पर केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर हराकर शानदार शुरूआत की थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आईपीएल के अब तक कुल 95 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 41 मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। वहीं बाद में बैटिंग करने वाली टीम 50 मैच में जीत हासिल की है हालांकि 4 मैचों का परिणाम नहीं निकला। इस पिच पर सबसे बड़ा रन 287/3 सनराइजर्स हैदराबाद ने बनाया गया है, जबकि सबसे छोटा स्कोर 82 रन आरसीबी की टीम ने बनाई है। आरसीबी और गुजरात टाइटंस टीम के बीच इस मैदान पर अब तक दो बार भिड़ंत हुई। इस मुकाबले में दोनों टीमों को एक-एक मैच में जीत हासिल हुई।

आरसीबी टीम : रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), विराट कोहली, फिल साल्ट, लियाम लिविंगस्टोन, देवदत्त पडिक्कल, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल।
गुजरात टाइटंस टीम : शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, शाहरुख खान, मोहम्मद सिराज, रविश्रीनिवासन साई किशोर, कगिसो रबाडा, प्रिसिध कृष्णा।

यहां के सटेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड काफी रन बनते हैं पर आरसीबी का मानना है कि उसके तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार यहां बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। हेजलवुड और भुवनेश्वर ने अब तक के मैचों में अच्छी गेंदबाजी की है। वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन गिल और बी साइ सुदर्शन पर टिकी रही। आरसीबी का प्रयास करेगा कि गुजरात के शुरुआत में ही विकेट गिरावट दबाव बनाया जाये। इस मामले में उसके पास स्विंग कराने में माहिर भुवनेश्वर और सटीक हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा युवा तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस पिच पर बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं।

ग्लास्गो में स्वर्ण जीतना है प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य

त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे

विजयनगर (एजेंसी)।

एथलीट प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। वह 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जिससे वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल कर सकें।

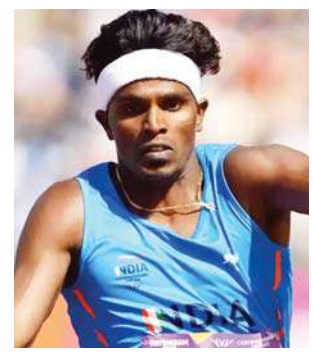

प्रवीण ने कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल आदि। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक खो दिया था। मैंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक जीता है। इस एथलीट ने कहा, 'मुझे भरोसा है कि मैं एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में पदक जीतूंगा पर मैं राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं।

रवि शास्त्री ने मुंबई इंडियंस अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की, पूछा लंच में क्या खाया था

आईपीएल के अपने पहले ही मैच में चार विकेट झटके, टीम को मिली पहली जीत

मुंबई (एजेंसी)।

पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेर बने रवि शास्त्री ने मुंबई इंडियंस के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की है। शास्त्री ने आईपीएल के अपने पहले ही मैच में चार विकेट लेने वाले अश्वनी की जमकर प्रशंसा की है। अश्वनी की शानदार गेंदबाजी के बल पर ही मुम्बई को 18 वें सत्र में पहली जीत मिली है। अश्वनी ने इस मैच में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे, रिंकू सिंह, मनीष पांडे और आंद्रे रसेल जैसे प्रमुख बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा। वहीं जब शास्त्री ने अश्वनी से पूछा कि लंच में क्या खाया था तो अश्वनी ने बताया कि मैच के पहले हुए दबाव से उन्हें भूख नहीं लगी थी।

ऐसे में उन्होंने केवल एक केला खाया था। मैच में उनकी शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को आसानी से हरा दिया। शास्त्री ने अश्विनी से मजाकिया अंदाज में कहा, अपने बैग में हमेशा केले रखा करो। अश्वनी ने कहा कि कप्तान हार्दिक पांड्या ने उनसे कहा था कि यह तुम्हारा पहला मैच है, इसलिए बिना तनाव लिए अपने अनुसार गेंदबाजी करो। अश्वनी ने आईपीएल खेलने से पहले केवल चार ही टी20 मैच खेले थे। इसके अलावा उन्होंने 2 रणजी ट्रॉफी और 4 लिस्ट ए मैच भी खेले हैं। यह पहली बार था जब अश्वनी ने एक मैच में 4 विकेट लिए हैं। इससे पहले लिस्ट ए क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 37 रन देकर तीन विकेट और टी20 क्रिकेट में एक विकेट पर 19 रन था।

मिचेल स्टार्क के सामने नहीं टिक पाते हैं ट्रेविस हैड

छठी बार है जब वह स्टार्क के शिकार बने हैं हैड

विशाखापट्टनम (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के प्रमुख बल्लेबाज ट्रेविस हेड आजकल सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आईपीएल में खेल रहे है। हैड को उनकी आक्रामक बल्लेबाज के लिए जाना जाता है क्योंकि वह बड़ी बेरहमी से विरोधी गेंदबाजों की पिटाई करते हैं पर देखने में आया है कि अपने ही हमवतन मिचेल स्टार्क के सामने उनकी एक नहीं चलती। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में भी वह मिचेल का ही शिकार बने थे। ये छठी बार है जब वह स्टार्क के शिकार बने हैं। अब तक इन दोनो के बीच आठ बार मुकाबला हुआ है। इस बार हेड ने अच्छी शुरुआत की थी पर स्टार्क की बाउंसर पर शॉट खेलने के प्रयास में वह कैच हो गये। जब भी ये दोनों आमने-सामने आते हैं, तो स्टार्क हावी रहे हैं। पिछले 8 मुकाबलों में, स्टार्क ने हेड को 6 बार आउट किया है। छह बार में से, स्टार्क ने हेड को चार बार बोल्ड किया है वहीं बाकी दो बार, हेड विकेटकीपर के हाथों कै हुए हैं। हेड ने स्टार्क के पहले ओवर में 11 रन बनाए थे। पर अगले ही ओवर में स्टार्क ने ने उन्हें पेवेलियन भेज दिया।

रोहित शर्मा लगातार रन नहीं बना पाना चिन्ताजनक : मांजरेकर

लय हासिल करने अपनी ओर से कड़े प्रयास करने होंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)।

पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा लगातार रन नहीं बना पाना चिन्ताजनक हैं। मांजरकेर ने कहा कि रोहित आईपीएल में भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं। इससे साफ है कि अब हालात उनके नियंत्रण से बाहर होते जा रहे हैं। ऐसे में अब उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी ताकत लगाकर प्रयास करना होगा। हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा तभी वह लय हासिल कर सकते हैं। वह आईपीएल के शुरुआती दो मैच में सहज नहीं दिखे।

मांजरेकर ने कहा, 'रोहित शर्मा एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जिससे साफ है कि वह पहले वाले रोहित नहीं रहे। अब वह अपने करियर के उस जगह पर हैं जहां उन्हें हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा। कड़ी ट्रेनिंग करनी होगी और फिटनेस के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना होगा तभी वह कुछ कर पायें। वह अब भी अपनी नैसर्गिक प्रतिभा पर भरोसा कर रहे हैं जबकि अब वह नहीं रही।

शेन वॉर्न, अनिल कुंबले और पीयूष चावला से प्रेरित हैं जीशान अंसारी, उन्होंने दिल्ली के खिलाफ मैच में डेब्यू किया था

उन्हें एडम जंपा की जगह टीम में शामिल किया गया है, जीशान ने भारतीय अंडर टीम से भी खेला है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे लेग स्पिनर जीशान अंसारी का कहना है कि वह शेन वॉर्न, अनिल कुंबले और पीयूष चावला जैसे खिलाड़ियों से प्रेरणा लेते हैं।

उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में डेब्यू किया था। उन्हें एडम जंपा की जगह टीम में शामिल किया गया है। जीशान को सनराइजर्स ने मेगा ऑक्शन में 40 लाख रुपये में खरीदा गया था। जीशान ने भारतीय अंडर टीम से भी खेला है। यूपी टी20 लीग में अपनी शानदार लेग स्पिन गेंदबाजी से उन्होंने प्रभावित किया था। इस गेंदबाज ने मेरठ मावेरिक्स के लिए खेलते हुए टूर्नामेंट में 24 विकेट लिए थे। इसी कारण आईपीएल में भी उन्हें अवसर मिला है। जीशान ने उत्तर प्रदेश के लिए 5 फर्स्ट-क्लास मैचों में भी 17 विकेट लिए हैं। इस क्रिकेटर ने कहा था, ' मैंने शेन वॉर्न, अनिल कुंबले और पीयूष चावला जैसे खिलाड़ियों से प्रेरणा ली. और उनकी गेंदबाजी को गहराई से अध्ययन किया। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने इस लीग में पीयूष चावला के साथ खेला। जीशान एक साधारण परिवार से हैं और उनके पिता दर्जी का काम करते हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के केन्द्रीय अनुबंध में पेट कमिंस सहित 23 खिलाड़ी शामिल हुए

चयनकर्ता बेली ने कहा, कुहनेमैन ने एक बार फिर श्रीलंका में शानदार प्रदर्शन किया

सिड्नी (एजेंसी)।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कप्तान पैट कमिंस सहित 23 खिलाड़ियों को साल 2025-26 के लिए केन्द्रीय अनुबंध दिया है। कमिंस के अलावा जिन खिलाड़ियों को अनुबंध दिया गया है। उसमें मिचेल स्टार्क, स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं युवा बल्लेबाज सैम कोन्स्टास के अलावा स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को भी पहली बार अनुबंध सूची में जगह मिली है। वहीं इस अनुबंध में ऑलराउंडर आरोन हार्डी, तेज गेंदबाज सीन एबॉट और स्पिनर टॉड मर्फी जैसे खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा कूपर कोनोली और जेक-फ्रेजर मैकगर्क को भी अनुबंध में जगह नहीं मिली है। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि कुहनेमैन ने एक बार फिर श्रीलंका में शानदार प्रदर्शन किया और हमारा मानना है कि वह अगले 18 महीनों में ब्यू वेबस्टर के साथ ही अहम भूमिका निभाएंगे।

अनुबंध सूची इस प्रकार है

जेवियर बार्टलेट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोन्स्टास, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, झाय रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर और एडम जम्पा।

लक्जरी कारों के भी शौकीन हैं भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल

उनके पास एक से बढ़कर एक कारें हैं, हाल ही में रोवर वेलार खरीदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल आजकल आईपीएल में गुजरात किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। शुभमन ने भारतीय टीम में आने के बाद तेजी से सफलता की सीडियां चढ़ी हैं। शुभमन अपनी शानदार बल्लेबाज के साथ ही आलिशान जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। वह तेज रफ्तार वाली लक्जरी कारों के भी शौकीन हैं। इसी कारण उनके पास एक से बढ़कर एक कारें हैं। इस बल्लेबाज ने हाल में ही एक और लग्जरी कार रेंज रोवर वेलार खरीदी है जिससे अब उनके कलेक्शन में एक और कार जुड़ गयी है। इस नई रेंज रोवर वेलार की कीमत तकरीबन 80 लाख रुपये है। इसमें एक मजबूत 2.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड फोर-सिलेंडर इंजन है, जो लगभग 247 हॉर्सपावर की प्रभावशाली शक्ति उत्पन्न करता है। यह एसयूवी आराम और प्रदर्शन का एक संतुलित मिश्रण प्रदान करती है, जो इसे शहर की ड्राइव और लंबी यात्राओं दोनों के लिए एक आदर्श वाहन बनाती है । शुभमन को कई बार उनकी मर्सिडीज-बेंज ई 350 में देखा गया है, जिसकी कीमत लगभग 90 लाख से 93 लाख रुपये के बीच है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

फुटबॉल मैच में रेफरी एलेग ने कोच मैग्डेलेना को लगाई किक

अंकेश (एजेंसी)। यहां कोपा पेरू लीग फुटबॉल में स्पोर्ट हुआक्विला के खिलाफ हुए मैच में उस समय हड़कंप मच गया जब रेफरी लुइस एलेग्रे ने हमला करने आये सीईडीईसी के कोच मैग्डेलेना को किक मार दी। मैग्डेलेना रेफरी पर प्लास्टिक की बोतल से हमला करने आए थे पर उल्टे उन्हें ही किक लग गयी। मैच के अंतिम समय में हुई इस घटना से सभी हैरान रह गये। इस मैच में रैफरी एलेग्रे ने अपने लाइनमैन के संकेत पर मैग्डेलेना सीईडीईसी टीम के एक सदस्य को लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया था। इस पर विवाद इतना बढ़ा कि कोचिंग स्टाफ का एक सदस्य प्लास्टिक की बोतल लेकर मैदान पर आया और रेफरी पर हमला करने आगे बढ़ा एलेग्रे ने यह देखकर दाहिने पैर से कराटे किक लगाई, जो कोच के चेहरे पर लगी और वह वहीं जमीन पर गिरकर बेहोश हो गये। इसे घटना से नाराज खिलाड़ियों ने एलेग्रे और उसके लाइनमैन को घेर लिया। जिसके बाद हालत संभालने के लिए पुलिस को मैदान में उतरना पड़ा। इसके बाद ये मैच स्थगित कर दिया गया। इस मामले का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें मैदान में सुरक्षा को लेकर सवाल उठे हैं।

अजिंक्य रहाणे ने हार के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। रहाणे ने कहा कि इस विकेट पर टीम को करीब 190 रन बनाने थे पर हम 116 रन ही बना पाये। रहाणे ने कहा, '' हमारे बल्लेबाज विफल रहे जबकि इस पर काफी रन बनने थे। हम हमें मिले अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये। हमारे गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा पर बल्लेबाज विफल रहे। साथ ही कहा कि पावरप्ले में चार विकेट खोने के बाद वापसी कठिन होती है।'' वहीं केकेआर की शुरुआत अच्छी नहीं रही। नरेन पहले ही ओवर में पेवेलियन लौट गये। इसके बाद डिकॉक ने भी आउट हो गये। रहाणे भी 11 रन ही बना पाये। वहीं मनीष पांडे ने 17 और आंद्रे रसेल ने 5 रन बनाए। दूसरी ओर मुंबई की ओर से अश्विनी कुमार ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। वानखेड़े की उछाल और स्विंग लेती पिच पर मुंबई के गेंदबाजों ने केकेआर के बल्लेबाजों की गलतियों का पूरा फायदा उठाते हुए किसी भी बल्लेबाज को टिकने नहीं दिया। इस हार से केकेआर अंतिम स्थान पर खिसक गयी है।

बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में रोहित और कोहली की चमकेगी किस्मत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान जल्द ही हो सकता है। इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत, खिलाड़ियों को उनके अनुभव और हालिया प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न ग्रेडों में बांटा जाता है, और इसी के मुताबिक उन्हें एक राशि? का भुगतान किया जाता है। वैसे तो रोहित शर्मा और विराट कोहली, जो ञ्20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं, अपना ए+ ग्रेड (7 करोड़ रुपये) बरकरार रखने के लिए तैयार हैं। इन दोनों के अलावा रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह भी ए+ श्रेणी में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इन खिलाड़ियों का टेस्ट क्रिकेट में हालिया प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा है, फिर भी उनका चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन उन्हें ए+ ग्रेड में बनाए रखने में मदद कर सकता है। वहीं, श्रेयस अय्यर के बारे में खबरें हैं कि वह बीसीसीआई के साथ हुए तीखे विवाद के बाद अब सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वापसी के लिए तैयार हैं। वहीं ईशान किशन के बारे में सूत्रों का कहना है कि उन्हें अभी भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वापसी के लिए इंतजार करना होगा। उन्होंने पुराने इश्यू को सुलझाने पर काम किया है, लेकिन इतना नहीं कि उन्हें उनकी जगह वापस मिल जाए। आपको बता दें कि बीसीसीआई कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में 4 कैटेगरी होती हैं है। ए+ ग्रेड ङ्क 7 करोड़ रुपये (यह ग्रेड उन खिलाड़ियों को मिलता है जो तीनों फॉर्मेट में खेलते हैं) सबसे नीचे ष्ट कैटेगरी में 1 करोड़ रुपये सालाना मिलते हैं। इन सभी कैटेगरी में प्लेयर्स को शामिल करने के कुछ नियम भी हैं।

अर्जुन मैनी नये डीटीएम सत्र में फोर्ड की टीम के लिए रेसिंग करेंगे

माईपाथ (एजेंसी)। भारतीय ड्राइवर अर्जुन मैनी जर्मन टूरिंग कार रेसिंग सीरीज में अपने पांचवें साल में एचआरटी फोर्ड परफॉर्मेंस टीम के लिए रेसिंग करेंगे। पिछले साल मैनी ने ड्राइवरों की तालिका में सातवां स्थान हासिल किया था जो डीटीएम (ड्यूश टूरेनवेगन मास्टर्स) करियर का सर्वश्रेष्ठ परिणाम रहा था। पिछले तीन सत्र (2021 से 2023 तक) में बेंगलुरु का यह 27 वर्षीय ड्राइवर क्रमश: 12वें, 19वें और 20वें स्थान पर रहा था। नए डीटीएम सत्र के लिए परीक्षण का आधिकारिक दिन बुधवार को मोटरस्पोर्ट एरिना ओशर्सलेबेन में होगा। हॉप्ट रेसिंग टीम (एचआरटी) इस साल पहली बार शीर्ष श्रेणी की स्प्रिंट श्रृंखला में दो फोर्ड मुस्टैंग जीटी थ्री में प्रवेश करेगी। शुरूआती रेस 25-27 अप्रैल को निर्धारित है। मैनी 2022 से विभिन्न रेसिंग श्रृंखला में एचआरटी के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और पिछले सत्र में टीम के साथ डीटीएम में तीन पोडियम स्थान और एक पोल स्थान हासिल किया था। इस भारतीय ड्राइवर ने अब तक प्रतिष्ठित स्प्रिंट सीरीज में कुल 64 बार शिरकत की है।

मैं अपने प्रदर्शन में एक-डेढ़ प्रतिशत का सुधार करना चाहता हूं : अर्शदीप सिंह

लखनऊ (एजेंसी)। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय रचनात्मक आत्म-आलोचना को देते हुए कहा कि वह हर मैच में अपने प्रदर्शन में एक से डेढ़ प्रतिशत का सुधार करने की कोशिश करते हैं। आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ के तौर पर तेजी से उभर रहे इस 26 साल के गेंदबाज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ साई सुदर्शन और शेरफेन रदरफोर्ड के ॅ थ्महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर टीम को पहले मैच में 11 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। पिछले कुछ वर्षों में अपनी गेंदबाजी की विकास के बारे में पूछे जाने पर अर्शदीप ने 'जियोहॉटस्टार' से कहा कि मेरा प्रदर्शन अच्छा हो या खराब मेरे लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं हर मैच में अपने खेल में एक से डेढ़ प्रतिशत तक का सुधार करूं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया में सबसे बड़ी गुंजाइश सुधार की है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

जनजातीय कार्य कुंवर विजय शाह की अध्यक्षता में हुई अंतर्विभागीय समिति की बैठक

भोपाल। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को विभिन्न विभागों द्वारा प्रदाय छात्रवृत्ति योजनाओं के सरलीकरण, एकरूपता एवं छात्रावास व्यवस्था में सुधार के संबंध में, जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर डॉ. विजय शाह की अध्यक्षता में गठित अंतर्विभागीय समिति की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित की गई। बैठक में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्रीइंदर सिंह परमार, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल और अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में छात्रवृत्ति योजनाओं के सरलीकरण एवं एकरूपता के लिए विद्यार्थियों की छात्रवृत्तियों को समेकित करने, छात्रवृत्तियों की स्वीकृति एवं वितरण, छात्रावास संचालन के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए गए अलग-अलग प्रावधानों की एकरूपता और छात्रावास संचालन में प्रभावी सुधार के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विद्यार्थियों के हितों से जुड़े विविध विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 12 हजार 958 करोड़ का किया राजस्व संग्रहण

भोपाल। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 12 हजार 958 करोड़ रूपए का राजस्व संग्रहित किया हैं। यह कंपनी का अब तक का सर्वाधिक राजस्व संग्रहण हैं। कंपनी की इस उपलब्धि पर प्रदेश के ऊर्जामंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कंपनी के कार्मिकों को बधाई दी हैं, और बिल राशि जमा करने वालों के प्रति भी आभार माना हैं। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मार्च में कंपनी ने सतत ही उपभोक्ताओं से संपर्क कर बकाया राशि वसूली के लिए महा-अभियान चलाया गया। सभी पुराने बकायादार उपभोक्ताओं से संपर्क किया गया था। इसी कारण मार्च में कंपनी को 28 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिल बकाया राशि प्राप्त हुई हैं। अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मार्च में कंपनी के कुल 1866 करोड़ रूपए एवं वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 12958 करोड़ रूपए की राशि प्राप्त हुई हैं। प्रबंध निदेशक सिंह ने बताया कि इस बिल राशि राजस्व संग्रहण में लाखों बिजली उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिल रकम चुकाने के योगदान के साथ ही कंपनी के हजारों कार्मिकों का राजस्व लक्ष्य अर्जित करने को लेकर समर्पण भी शामिल हैं। प्रबंध निदेशक ने वित्तीय लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्मिकों को बधाई दी हैं, साथ ही बिल राशि जमा करने वाले घरेलू, गैर घरेलू, उद्योग, व्यापारिक, कृषि ,शासकीय कनेक्शन वाले बिजली उपभोक्ताओं, शासकीय राशि जमा करने वाले विभागों के अधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया हैं।

एमएसएमई में निवेश और टर्न ओवर की सीमा ढ़ाई गुना हुई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप अब सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों का निवेश और टर्न ओवर (कारोबार) का दायरा बढ़ाकर ढ़ाई गुना कर दिया गया है। राज्य शासन ने एक अप्रैल 2025 से नए नियम प्रभावी कर दिए हैं। एमएसएमई मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा है कि इस नए बदलाव से मध्यप्रदेश में नवीन उद्योग धंधों का विकास होगा और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम की दक्षता में वृद्धि, तकनीकी उन्नयन और बेहतर वित्तीय पहुंच हो सकेगी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना अनुसार 1 अप्रैल 2025 से सूक्ष्म उद्यम के निवेश की सीमा एक करोड़ से बढ़ा कर 2 करोड़ 50 लाख और कारोबार की सीमा बढ़ाकर 10 करोड़ रूपये की गई है। पूर्व में निवेश की सीमा एक करोड़ तथा टर्न ओवर (कारोबार) की सीमा 5 करोड़ रूपये थी। इसी तरह लघु उद्यम श्रेणी में निवेश की सीमा 10 करोड़ से बढ़ाकर 25 करोड़ और करोबार की सीमा को 50 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ कर दिया गया है। मध्यम उद्यमों में निवेश की सीमा अब 125 करोड़ होगी तथा टर्न ओवर 500 करोड़ का होगा। पहले यह सीमा निवेश के लिये 50 और कारोबार के लिये 250 करोड़ नियत थी। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने भी 21 मार्च 2025 को तत्संबंध में अधिसूचना जारी की है।

राज्य स्थापना दिवस हमारी मूल पहचान और सम्मान को बढ़ाने का संकल्प दिवस : राज्यपाल

राजभवन में हुआ बिहार, राजस्थान और ओडिशा के स्थापना दिवस का संयुक्त समारोह

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि राज्यों का स्थापना दिवस पर हमारे देश की मूल पहचान और सम्मान को बढ़ाने का संकल्प दिवस है। इसे अपनी विरासत को विश्व के कोने-कोने तक पहुँचाने के संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे सभी राज्यों ने हमेशा अपनी धरोहर, संस्कृति और परंपराओं के सम्मान के द्वारा राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाया है। इस गौरवपूर्ण धरोहर को सहेजने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य करना हम सभी का परम दायित्व है।

उन्होंने कहा कि राज्यों के स्थापना दिवस देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के उत्सव है। भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता की धरोहरों के संरक्षण, संकल्प 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का शानदार प्रदर्शन है। राज्य का स्थापना दिवस को मनाना प्रगति और विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने का प्रसंग है।

राज्यपाल पटेल राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित बिहार, राजस्थान और ओडिशा के स्थापना दिवसों के संयुक्त समारोह में राज्यों के मूल निवासी मध्यप्रदेश में निवासरत नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव के. सी. गुप्ता, पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर परिक्षेत्र सुप्रीति अग्रवाल, निदेशक डाक सेवाएं भरत कुमार डालमिया और राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव मंचासीन थे।

इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सिकल सेल एनीमिया रोग जन जागृति पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण एवं विरूपण मोहर का अनावरण किया। पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर परिक्षेत्र सुप्रीति अग्रवाल ने बताया कि डाक टिकट देश विदेश में जन जागृति के प्रभावी माध्यम होते हैं। डाक विभाग द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सिकल सेल एनीमिया रोग पर डाक टिकट जारी किया गया था। इसी क्रम में जारी विशेष आवरण के अनावरण के लिए राज्यपाल के प्रति आभार ज्ञापित किया। राज्यपाल पटेल को देवी अहिल्या पर डाक विभाग द्वारा जारी टिकट की पेंटिंग भेंट की। राज्यपाल ने विशेष आवरण के रूपांकन में सहयोगी एम्स भोपाल के चिकित्सक डॉ. रजनीश जोशी और डॉ. अनन्य सम्पत का सम्मान किया गया।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने बिहार, ओडिशा और राजस्थान राज्यों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए समारोह को संबोधित किया।

राजस्थान ने मानवता के उत्थान में दिया योगदान

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि वीरों की भूमि राजस्थान ने हमेशा मानवता के उत्थान में योगदान दिया है। हमेशा देश और दुनिया को अपनी कला, साहित्य, इतिहास और भव्यता से मंत्रमुग्ध किया है। राजस्थान राज्य का गठन केवल प्रशासनिक घटना नहीं, राज्य की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिलने का प्रसंग था। राजस्थान की विविधता और उसकी संपूर्णता की पहचान उसकी संस्कृति, रीति-रिवाज, लोककला, संगीत, नृत्य और वस्त्रों में बसी हुई है। यहाँ की लोक कला, संगीत और नृत्य ने विश्वभर में राजस्थान का नाम रोशन किया है। यहां का थार रेगिस्तान, अरावली की पहाड़ियाँ, ऐतिहासिक किले और मंदिर राज्य की अद्वितीय प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाते हैं। राज्यपाल ने समारोह में विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के कलाकारों को उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए बधाई दी।

ओडिशा देश का सांस्कृतिक केंद्र

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि देवस्थली ओडिशा की भूमि ने हमेशा देश और दुनिया को अपनी अद्वितीय सांस्कृतिक, ऐतिहासिक धरोहर और उत्कृष्ट कला से प्रभावित किया है। यह देश का सांस्कृतिक केंद्र है, जिसकी भूमि पर प्राचीन सभ्यताएँ फली-फूलीं है। विश्व में उड़ीसा के मंदिरों, किलों और ऐतिहासिक स्थलों से देश की पहचान बनी है।

प्रहलाद पटेल की अध्यक्षता में नर्मदा परिक्रमा पथ और अन्य विषयों पर बैठक

रेडी-टू-स्टे आश्रय का निर्माण होगा, चातुर्मास करने वालों के लिए विशेष प्रबंध करने के दिए निर्देश

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में नर्मदा परिक्रमा पथ के साथ ही अन्य विषयों पर विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मंत्री पटेल ने अधिकारियों से नर्मदा परिक्रमा को ध्यान में रखकर रेडी टू स्टे आश्रय के निर्माण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि करीब डेढ़ एकड़ में आश्रय का निर्माण किया जा सकता है, जिसमें पेड़ पौधे लगाने के साथ ही रुकने-ठहरने की अच्छी व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा सकती है। मंत्री पटेल ने चातुर्मास करने वालों के लिए विशेष प्रबंध करने को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मदद के लिए स्वयं पहल करने वाले लोगों या समितियों को इसमें शामिल किया जा सकता है। नर्मदा परिक्रमा पथ के चिन्हांकन के लिए इस बार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अत्याधुनिक तकनीक का सहारा ले रहा है।

चिन्हांकन के लिए विशेष सॉफ्टवेयर

नर्मदा परिक्रमा पथ के चिन्हांकन के लिए 'सॉफ्टवेयर फॉर आइडेंटिफिकेशन एंड प्लानिंग ऑफ रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर' बनाया गया है। इस सॉफ्टवेयर के जरिए नर्मदा पथ को चिन्हित करने का काम किया जाएगा। इस सॉफ्टवेयर में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) की सभी आधुनिक तकनीकें शामिल की गई हैं। नर्मदा परिक्रमा पथ को लेकर विशेष प्रावधान रेडी टू स्टे आश्रय की व्यवस्था होगी। 7 लेयर की छत होगी, जिससे आश्रय स्थल को मजबूती मिलेगी। बल्ली, बांस, मिट्टी, रूफ-फ्रेम गैप के लिए, रूफ-फ्रेम, प्रोफाइल शीट, मिट्टी के खप्पड़ जैसी पांच लेयर से निर्मित की जाएगी छत मिट्टी और गोबर की छपाई और लेपन का उपयोग होगा।

मप्र कांग्रेस शुरू करेगी कार्यकर्ता पंचायत

संगठन को मजबूत करने की कवायद, पीसीसी चीफ करेंगे प्रदेश का दौरा

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए तरह-तरह के प्रयास किया जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के साथ मिलकर रणनीति तैयार कर रहे हैं। इसी रणनीति के तहत अब कार्यकर्ता पंचायत का आयोजन करने की तैयारी की जा रही है।

इसमें बूथ स्तर के कार्यकर्ता को अपने मन की बात कहने की छूट दी जाएगी। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है। जानकारी के अनुसार इसी माह के अंतिम सप्ताह से शुरू करने की तैयारी है। जीतू पटवारी का मानना है कि इससे गुटबाजी पर भी लगाम लगेगी।

दिल्ली की बैठक से लौटने के बाद पटवारी ने कार्यकर्ता पंचायत के नाम से हर जिले में जाने की तैयारी की है, ताकि निचले स्तर के कार्यकताओं और नेताओं से वे उनके मन की बात जान सके।

कार्यकर्ताओं के बीच जाएंगे जीतू पटवारी

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी कार्यकर्ताओं के मन की बात सुनने के लिए हर जिले के दौरे का प्लान बना रहे हैं। इसके तहत वे कार्यकर्ताओं के बीच जाएंगे और उनकी शिकायतों को लेकर बात करेंगे। दरअसल पटवारी खुद कांग्रेस में गुटबाजी को कैंसर बता चुके हैं, जिसको लेकर उन्हें अपने ही नेताओं की आलोचना का शिकार होना पड़ा है। एमपी कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने जब से पद संभाला है, सभी नेताओं को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने आते ही शुरुआती दौर में ही कह दिया है कि किसी प्रकार की गुटबाजी स्वीकार नहीं की जाएगी। जमीन पर काम करने वाले नेताओं को ही तवज्जो दी जाएगी।

संपतिया उइके ने सिंगरौली में स्कूल चले हम अभियान का किया शुभारंभ

शिक्षा सूर्य की तरह अज्ञानता के अंधेरे को दूर करती है

भोपाल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री एवं सिंगरौली जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने खुटार मे स्कूल में प्रवेश उत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा सूर्य की तरह अज्ञानता के अंधेरे को दूर करती है, कोई भी बच्चा स्कूल में प्रवेश से वंचित न रहे। प्रदेश में आज से नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो गया है। इस अवसर पर सभी जिलों में प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेशोत्सव मनाया जा रहा है।

मंत्री श्रीमती उइके ने विभिन्न विद्यालयों में आयोजित समारोहों में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने नौनिहालों के माथे पर तिलक लगाकर और पाठ्य पुस्तक वितरण कर विद्यालय में प्रवेश कराया। मंत्री श्रीमती उइके ने प्रवेशोत्सव में कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि कोई भी छात्र-छात्रा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने अपने छात्र जीवन की कठिनाइयों को साझा करते हुए कहा कि अब परिस्थितियाँ बदल गई हैं। प्रदेश सरकार शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रभावी नीतियाँ लागू कर रही है, जिससे प्रदेश के विद्यार्थी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति लागू की गई है और सीएम राइज स्कूल का नाम बदलकर सांदीपनि स्कूल किया गया है, जिससे गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा मिलेगा।

स्कूल चलें हम अभियान के तहत निर्मला भूरिया ने बच्चों को तिलक और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया

भोपाल। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय देवझिरी पंडा में स्कूल चलें हम अभियान के तहत बच्चों को तिलक लगाकर और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और हमें उन्हें बेहतर शिक्षा देकर एक सशक्त नागरिक बनाने की जिम्मेदारी उठानी होगी।

सुश्री भूरिया ने कहा कि स्कूल चलें हम अभियान से न केवल बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव भी मजबूत हुई है। उन्होंने विद्यालय की दीवारों पर बच्चों के जनरल नॉलेज को

बढ़ाने वाले चित्र एवं भारत का नक्शा अंकित करने के निर्देश दिये। मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया और व्यवस्थाओं की सराहना की।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीणा ने बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नियमित अध्ययन और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालय में टॉपर्स की सूची नोटिस-बोर्ड में लगायी जाये, जिससे विद्यार्थी प्रेरित हो सकें। इस अवसर पर कक्षा-1 से 8 तक के विद्यार्थियों को एनसीईआरटी की पाठ्य-पुस्तकें, स्कूल बैग एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गयी।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख ने अरण्य हाट-द जंगल स्टोर का किया शुभारंभ

भोपाल। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव ने मंगलवार को वन भवन के गेट क्रमांक-2 पर मध्यप्रदेश टाइगर फाउण्डेशन समिति द्वारा लगाये गये अरण्य हाट-द जंगल स्टोर सोवेनियर शॉप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पीसीसीएफ (वन्य-जीव), सचिव मध्यप्रदेश टाइगर फाउण्डेशन समिति शुभरंजन सेन और वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

आंवली घाट से स्नान के दौरान लापता हुए मनोज 92 दिन बाद सकुशल मिले

रेहटी थाना पुलिस ने पूछताछ कर परिजनों को सौंपा

भोपाल। सीहोर जिले के आंवली घाट से 92 दिन पहले 30 दिसंबर 2024 को लापता हुए मनोज सेन मंगलवार को आंवली घाट से सकुशल मिल गए। मनोज को उनके परिजन अपने बीच सकुशल पाकर बहुत खुश हैं। परिवार ने 3 महीनों तक मनोज के लापता होने का दुख झेला है। मनोज के लापता होने से उनकी पत्नी प्रेमलता, बेटे अरुण और कान्हा का रोरोकर बुरा हाल था। लेकिन उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी और न ही उनका विश्वास टूटा। उन्हें इस बात का भरोसा था कि उनके पिता कभी न कभी जरूर आएंगे और उनका यह विश्वास 1 अप्रैल यानी मंगलवार को सच में बदल गया। रेहटी थाना प्रभारी राजेश कहारे ने बताया कि उन्हें मंगलवार को आंवली घाट से अज्ञात नंबर फोन आया कि आंवली घाट से जो युवक लापता हुआ था वो आश्रम में बैठा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस आश्रम पहुंची और मनोज को सकुशल थाने लेकर पहुंची।

30 दिसंबर को स्नान के दौरान लापता हुए थे मनोज

बता दें कि मनोज 30 दिसम्बर को सोमवती अमावस्या को अपनी पत्नी के साथ घाट पर स्नान करने पहुंचे थे। स्नान के दौरान वो लापता हो गए थे। परिवार को और पुलिस को नदी में डूबे जाने की आशंका थी। इसलिए स्ष्श्रत्रस्त्र और ह्ष्श्रत्रस्त्र की टीम 15 जनवरी तक लगातार सर्चिंग करती रही। लेकिन मनोज का कहीं कोई सुराग नहीं लगा था।

यह है पूरा मामला

मनोज अपनी पत्नी प्रेमलता के साथ 30 दिसम्बर 2024 को सुबह 5 बजे आंवली घाट पर स्नान करने गए थे। जहां दोनों ने नदी में एक साथ डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के बाद लापता हो गए थे। मनोज की पत्नी घाट पर बने चेंजरूम में कपड़े बदलने चली है। कपड़े बदलने के बाद घाट पर मनोज को देखती रही लेकिन वो कहीं दिखाई नहीं दिए। इसके बाद प्रेमलता ने आश्रम में जाकर देखा तो वहां भी वो दिखाई नहीं दिए। प्रेमलता को जब मनोज कहीं भी दिखाई नहीं दिए तो उन्होंने 8-30 बजे पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद से पुलिस और स्ष्श्रत्रस्त्र और ह्ष्श्रत्रस्त्र की टीम ने तलाशी शुरू की थी।

कलेक्टर ने भी दिए थे जांच के निर्देश

सीहोर के तत्कालीन कलेक्टर प्रवीण सिंह ने भी मनोज को ढूंढने के निर्देश दिए थे। लेकिन मनोज 92 दिन तक मनोज का कहीं कोई सुराग नहीं लगा।

मंगलवार को अचानक जैसे ही पुलिस को मनोज के घाट पर होने की सूचना मिली चारों तरफ खुशी की लहर दौड़ पड़ी।

इनका कहना है

मंगलवार को हमें सूचना मिली थी कि आंवली घाट से लापता हुए मनोज आंवली घाट पर बने आश्रम में है। सूचना पाकर हमने मौके पर जाकर देखा तो मनोज सकुशल मिले। फिर उन्हें लेकर थाने लेकर आए और उनके बयान दर्ज किए लेकिन वो ठीक से किसी भी सवाल का जवाब नहीं दे पा रहा था। फिर मनोज के परिवार को सूचना दी गई। परिवार से पहचान कराने के बाद मनोज को उनके परिजनों को सौंप दिया है।

राजेश कहारे, थाना प्रभारी, रेहटी,सीहोर

हां मेरे पापा सकुशल घर आ गए हैं। लेकिन अभी उनकी दिमागी स्थिति ठीक नहीं है।

अरुण सेन, मनोज के बेटे

मंत्रालय में हुआ राष्ट्र-गीत एवं राष्ट्र-गान का सामूहिक गायन

भोपाल। अप्रैल माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत 'वंदे-मातरम' एवं राष्ट्र-गान 'जन-गण-मन' का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। वंदेमातरम गायन में खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता, मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, संजय दुबे, सहित सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।